RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः195, बुधवार, 23 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

उमाशंकर जायसवाल बने राष्ट्रीय लोक मोर्चा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ बिहार के प्रदेश अध्यक्ष 03

पुलिस ने विभिन्न मामलों में 53 वारंटों का निष्पादन करते हुए,दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार 04

शहनाज गिल की लेटेस्ट ग्लैमरस तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर मचाया... 07

बिहार विधानमंडल के दोनों सदन में हंगामा, सदन बुधवार तक के लिए स्थगित

एजेंसी, पटना

बिहार विधानमंडल में मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को दोनों सदनों (विधानसभा-विधानपरिषद) में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के साथ सदन की कार्यवाही शुरु हुई। इस हंगामे के बीच विधानसभा से छह विधेयक पास किये गए। दोपहर बाद विपक्ष के हंगामे के बीच दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। मंगलवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले राजद-कांग्रेस विधायक विधानसभा के मुख्य द्वार पर बैठ गए। इन नेताओं के गेट पर बैठ जाने की वजह से विधायकों को अंदर जाने में परेशानी होने लगी। विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव को भी विधानसभा में जाने से रोकने का प्रयास किया। हालांकि, मार्शल ने हाथ पकड़ कर प्रदर्शनकारी विधायकों को उठा दिया। विपक्षी विधायक लगातार मतदाता सूची पुनरीक्षण

और राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर हंगामा करते रहे। सदन के अंदर कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के सदस्य हाथ में पोस्टर लेकर हंगामा करने लगे। विपक्ष के विधायक बेल में चले आए। विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने विपक्षी विधायकों से हंगामा ना करने का बार-बार आग्रह किया लेकिन विपक्ष के सदस्य लगातार नारेबाजी करते रहे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। विधानसभा की द्वितीय पाली शुरु होते ही विपक्ष के हंगामे के बीचं 6 विधेयक पारित हुए। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही दोबारा दो बजे शुरु होने के बाद मात्र 30 मिनट चली, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को बुधवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। विधान परिषद की द्वितीय पाली शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने मतदाता पुनरीक्षण के विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी। राजद के अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सभापति से कार्य स्थगन प्रस्ताव मंजूर कर इस चर्चा करने की मांग की। सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि इस पर चर्चा कराना असंवैधानिक है। आप लोग क्या चाहते हैं, मैं यह असंवैधानिक कार्य की अनुमति दूं? विपक्षी सदस्यों के नारेबाजी के बीच सदन की कार्यवाही बुधवार 12 बजे भी तक के लिए स्थगित कर दी गई।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उप राष्ट्रपति बनाने पर जदयू-भाजपा सहमत

एजेंसी, पटना : उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद अब उनकी जगह कौन लेगा, इसकी चर्चा शुरू हो गई है। जिसके बाद एक बार फिर से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उप राष्ट्रपति बनाने की मांग शुरू हो गई है। एनडीए की ओर से मुख्यमंत्रीनीतीश कुमार को उप राष्ट्रपति बनाने की मांग जदयू और भाजपा दोनों के नेता कर रहे है। जदयू की तरफ से यह मांग करते हुए बिहार सरकार के मंत्री व नीतीश कुमार के करीबी अशोक चौधरी ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में नीतीश कुमार के उप राष्ट्रपति बनाने की मांग पर भाजपा को धन्यवाद दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस पर हमारे नेता फैसला लेंगे कि वह क्या चाहते हैं। वह उप राष्ट्रपति बनना चाहते हैं या नहीं यह फैसला उन्हें लेना है। इस बीच मंगलवार को बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान भाजपा के एक विधायक ने नीतीश कुमार का नाम उप राष्ट्रपति के दौर में चर्चा में आने पर प्रसन्नता व्यक्त की। भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह ख़ुशी की बात होगी कि अगर नीतीश कुमार देश के उप राष्ट्रपति बनते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई के एसीसी बैठक के बहिष्कार से एशिया कप पर खतरा मंडराया

मुम्बई : इस साल होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर संशय बना हुआ है। इस कारण ये है कि 24-25 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की सालाना आम बैठक (एजीएम) होनी है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें भाग लेने से इंकार कर दिया है। श्रीलंका और अफगानिस्तान बोर्ड भी इस बैठक से दूर रहेंगे। बीसीआई ने इस बैठक को बांग्लादेश में कराने का विरोध किया था क्योंकि बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हालात ठीक नहीं है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा राष्ट्रपति ने किया स्वीकार, जल्द होंगे नए चुनाव

नई दिल्ली : भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के तहत अपना इस्तीफा सौंपा था, जिसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। अब उपराष्ट्रपति पद खाली होने के कारण नए चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। चुनाव आयोग द्वारा जल्द ही शेड्यूल जारी किए जाने की संभावना है।

गैंगस्टर चंदन मिश्रा के हत्यारों को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग, मुठभेड़ में एक गिरफ्तार

पटना । गैंगस्टर चंदन मिश्रा के हत्यारों को दबोचने गई पुलिस और पटना स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम पर मंगलवार तड़के भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दो अपराधियों के पैर-हाथ में गोली लगी है। एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया। भोजपुर पुलिस की विज्ञप्ति के अनुसार, अपराधियों ने पुलिस को देखते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें दो अपराधी बलवन्त कुमार सिंह और रविरंजन सिंह को हाथ और पैर में गोली लगी है। एक अपराधी अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उन्होंने गुनाह कबूल कर लिया। घायल अपराधियों को आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुंबई ट्रेन सीरियल ब्लास्ट मामला

फडणवीस सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट, 24 जुलाई को होगी सुनवाई

एजेंसी, नई दिल्ली

2006 के मुंबई लोकल ट्रेन सीरियल बम धमाकों में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा 12 आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस अपील पर सुप्रीम कोर्ट 24 जुलाई को सुनवाई करेगा। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि यह मामला अत्यंत गंभीर और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग करते हुए कहा, जज साहब, यह केस राज्य सरकार के लिए काफी अहम है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तारीख तय कर दी। दरअसल 11 जुलाई 2006 की शाम को मुंबई की लोकल ट्रेनों में मात्र 11 मिनट के भीतर 7 अलग-अलग स्थानों पर बम धमाके हुए थे। इन विस्फोटों में 189 लोगों की मौत और 827 से अधिक लोग घायल हुए थे। यह देश के इतिहास के सबसे भयावह आतंकी हमलों में से एक था। इस केस में नवंबर 2006 में चार्जशीट दाखिल की गई। 2015 में ट्रायल कोर्ट (विशेष टाडा अदालत) ने 12 आरोपियों को दोषी ठहराया था। इसमें 5 को फांसी और 7 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। इसके बाद इन सभी ने हाईकोर्ट में अपील की थी। बॉम्बे हाईकोर्ट की खंडपीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक शामिल थे, ने 19 साल की लंबी सुनवाई के बाद सभी 12 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा- अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ ठोस और निर्णायक साक्ष्य पेश नहीं कर सका। गवाहों की विश्वसनीयता, पहचान परेड और बम से जुड़े तथ्यों में गंभीर खामियां थीं। कोर्ट ने सभी आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए तुरंत रिहा करने का आदेश दिया।

राज्य सरकार का रुख

राज्य सरकार इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है, इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस फैसले को चौंकाने वाला बताया और कहा कि राज्य सरकार इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी कहा कि सरकार ने इस मामले की गहन समीक्षा के बाद यह कदम उठाया है। अब सभी की निगाहें 24 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट की होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि क्या उच्चतम न्यायालय हाईकोर्ट के फैसले को पलटेगा या नहीं।

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में कांग्रेस उतारेगी अपना उम्मीदवार : खरगे

एजेंसी, नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति पद से सोमवार देर रात जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद से इस पद के चुनाव को लेकर कयास शुरू हो गए हैं। चुनाव आयोग किसी भी समय उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। इस बीच कांग्रेस ने भी उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार की तलाश शुरू कर दी है। मंगलवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर कांग्रेस को न खुशी है और न ही गम है। जो होना था वो हो गया। अब इस पद के लिए चुनाव होने हैं। इसके लिए सरकार नोटिफिकेशन जारी करेगी।कांग्रेस इस पद पर अपना उम्मीदवार उतारेगी। इसकी हम तैयारी करेंगे। राज्यसभा में जारी गतिरोध पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार संसद की बैठक करना नहीं चाहती। बैठक शुरू होते ही एक मिनट में ही सभा को स्थगित कर देती है। विपक्ष पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर सहित कई मुद्दे पर सदन में चर्चा कराना चाहता है। लेकिन सत्ता पक्ष ही कोई जानकारी नहीं देते। चर्चा कराए जाने का समय निश्चित होना चाहिए। बताना चाहिए कि सदन में कब प्रधानमंत्री होंगे और चर्चा सुनेंगे। उल्लेखनीय है कि सोमवार को जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजे अपने इस्तीफ़े में उन्होंने कहा है कि अब वो अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देंगे। धनखड़ ने राष्ट्रपति को लिखे अपने पत्र में कहा कि वे संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के मुताबिक़, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफ़ा दे रहे हैं। धनखड़ ने अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति का पदभार संभाला था।

बिहार की मतदाता सूची में व्यापक विसंगतियां उजागर, 52 लाख नामों में गड़बड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने आज बताया कि बिहार में चलाए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अब तक 52 लाख से अधिक मतदाताओं की प्रविष्टियों में गड़बड़ी पायी गयी है। इनमें मृत, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्टियों और अज्ञात पते वाले नाम शामिल हैं। आयोग के अनुसार बिहार में चल रहे एसआईआर में अब तक 18.66 लाख मृत मतदाताओं के नाम सूची में पाए गए हैं।

वहीं 26 लाख मतदाता अपने पंजीकृत पते से अन्य विधानसभा क्षेत्रों में स्थानांतरित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त 7.5 लाख ऐसे मतदाता हैं जिनका नाम दो जगह दर्ज है और 11 हजार से अधिक मतदाताओं का वर्तमान पता नहीं चल पाया है। इन त्रुटियों को दूर करने के लिए सभी पंजीकृत मतदाताओं को 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रिंटेड मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर लगभग एक लाख बीएलओ, चार लाख वालंटियर और डेढ़ लाख बीएलए को नियुक्त किया गया है। इनकी मदद से जिन मतदाताओं ने अब तक अपना दावा या आपत्ति दर्ज नहीं कराई है, उनसे संपर्क किया जाएगा। आयोग के अनुसार 24 जून तक बिहार में कुल 7,89,69,844 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से अब तक 7,16,04,102 मतदाताओं की मैनुअल और 7,13,65,460 की डिजिटल गणना की जा चुकी है।

सोनारी एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला, लैंडिंग के दौरान फिसला विमान, बाल-बाल बचे नौ यात्री

एजेंसी, पूर्वी सिंहभूम

झारखंड के सोनारी एयरपोर्ट पर मंगलवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। भुवनेश्वर से आने वाला इंडिया वन एयर का 19 सीटर विमान लैंडिंग के दौरान अचानक फिसल गया। विमान रनवे से उत्तर दिशा की ओर घास पर जा रुका। इस विमान में दो पायलट सहित कुल 9 यात्री सवार थे। हालांकि एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। भुवनेश्वर से आने वाले इंडिया वन एयर विमान के सोनारी एयरपोर्ट पर आज सुबह लैंडिंग के समय आए झटके से यात्रियों में अफरा तफरी मच गई और कई यात्री डर के मारे चीखने-रोने लगे। हालांकि पायलट

की सूझबूझ और तत्परता से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। केवल एक यात्री को हल्की चोट आई, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर फायर ब्रिगेड की टीम सक्रिय हो गई और तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। यात्रियों को धीरे-धीरे विमान से बाहर निकाला गया। हालांकि विमान को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था और रनवे की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के कारण रनवे गीला था, जिसकी वजह से विमान का संतुलन बिगड़ गया और यह हादसा होते-होते टल गया। घटना के बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की टीम ने एयरपोर्ट पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब सोनारी एयरपोर्ट पर लैंडिंग को लेकर परेशानी सामने आई हो। पूर्व में भी यात्रियों ने रनवे की स्थिति और एयरपोर्ट सुविधाओं को लेकर शिकायतें की हैं।

झारखंड के बाबा बैद्यनाथ धाम में 18 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

एजेंसी, देवघर

सावन माह में झारखंड के देवघर स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। मंगलवार को सुबह 04:22 से मंदिर का पट खुलते ही जलाभिषेक शुरू हो गया है। अब तक धाम में 18 लाख से अधिक श्रद्धालु जलाभिषेक कर चुके हैं। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाइन गुंजायमान है और सभी कांवड़िया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलाभिषेक के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के सुविधा के अनुरूप रूटलाइन में गर्मी और उमस से राहत दिलाने के लिए ठंडे पानी की फुहारों के छिड़काव की व्यवस्था की गयी है, ताकि रूटलाइन में जलार्पण के लिए कतारबद्ध श्रद्धालुओं को लगातार उमस भरी गर्मी में परेशानी महसूस न हो। ठंडक के बीच आराम से जलाभिषेक कर सकें। जिला प्रशासन के अनुसार 10 जुलाई से अब तक 18 लाख पांच हजार 891 श्रद्धालु जलाभिषेक कर चुके हैं। इस दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में कुल 564 मजिस्ट्रेट और 9650 पुलिस बल की तैनाती है। साथ ही चार सीआरपीएफ की कम्पनी, दो पुलिस अधीक्षक, एनडीआरएफ की टीम मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त हैं। सुरक्षा के लिहाज से 765 सीसीटी कैमरा, 200 एआई कैमरा और 10 ड्रोन कैमरा कार्यरत हैं। एसपी अजीत पीटर डुंगडुग ने बताया कि सुरक्षा में एटीएस की टीम, बम डिस्पोजल की टीम, डॉग स्वाक्वायड, क्यूआरटी टीम, 43 पुलिस उपाधीक्षक 93 पुलिस निरीक्षक, 723 सहायक पुलिस निरीक्षक, 1093 सशस्त्र और विभिन्न पुलिस बटालियनों की प्रतिनियुक्ति मेला क्षेत्र में की गयी है। लगातार सुरक्षा की मॉनिटरिंग की जा रही है।

हर गांव में बनेगी सहकारी समिति, अब तक 22,606 समितियां गठितः अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि सरकार ने 15 फरवरी 2023 को देश में सहकारी आंदोलन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और इसकी पहुंच हर गांव और पंचायत तक सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के तहत आगामी पांच वर्षों में देशभर के सभी गांवों और पंचायतों में दो लाख नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख समितियां (एम-पीएसीएस), डेयरी

और मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना का लक्ष्य है। अमित शाह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह योजना केंद्र सरकार की मौजूदा योजनाओं जैसे डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (डीआईडीएफ), राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी), पीएम मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) आदि के समन्वय से लागू की जा रही है। इसमें राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) और राज्य सरकारों की भूमिका अहम है। राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस का हवाला देते हुए शाह ने बताया कि 30 जून 2025 तक देशभर में 22,606 नयी पीएसीएस, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियां पहले ही पंजीकृत की जा चुकी हैं। इस योजना के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए 19 सितंबर 2024 को सहकारिता मंत्रालय द्वारा नाबार्ड, एनडीडीबी और एनएफडीबी के समन्वय में एक मार्गदर्शिका (एसओपी - मार्गदर्शिका) जारी की गयी है। इसमें सभी संबंधित पक्षों की भूमिकाएं, लक्ष्यों और समयसीमा को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। मार्गदर्शिका के अनुसार, आंध्र प्रदेश में कुल 4,188 पीएसीएस, 9,149 डेयरी और 200 मत्स्य सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य है लेकिन राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस के मुताबिक, 30 जून 2025 तक राज्य में केवल 891 डेयरी सहकारी समितियां (जिनमें से 5 कृष्णा जिले में हैं) और 2 मत्स्य सहकारी समितियां ही पंजीकृत की जा सकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

घर में सो रही महिला की गोली मारकर हत्या, कमरे में फर्श पर मिला शव

पटना। पटना में घर में सो रही महिला शोभा देवी (48) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना सोमवार देर रात की है। पूरा मामला जानीपुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव का है। दरअसल, मंगलवार की सुबह शोभा देवी की बेटी नेहा कुमारी और दामाद ने उनका शव कमरे में खून से लथपथ पाया। सूचना मिलते ही फुलवारी शरीफ के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी दीपक कुमार मौके पर पहुंचे। शोभा देवी के पति शंभू पासवान की पहले ही मौत हो चुकी है। वो झारखंड में कार्यरत थे। उनकी मौत के बाद शोभा देवी को पेंशन मिल रहा था। उनकी बेटी नेहा कुमारी की शादी राजेंद्र नगर के राजू पासवान से हुई है।

फर्श पर पड़ा था शवः घटना की रात नेहा कुमारी ने गोली की आवाज सुनी, लेकिन उन्होंने इसे ताड़ के पेड़ से गिरी फेदा की आवाज समझा। सुबह जब कमरा बंद मिला तो आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा खोला गया। शोभा देवी का शव फर्श पर पड़ा मिला। SDPO दीपक कुमार का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद का लग रहा है। परिजनों का मानना है कि किसी नजदीकी व्यक्ति ने ही हत्या की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिहार में पहली बार विधानसभा की कार्यवाही देखने पहुंचे ट्रांसजेंडर

पटना। बिहार में पहली बार विधानसभा की कार्यवाही देखने के लिए 4 ट्रांसजेंडर भी पहुंचे। ट्रांसजेंडर राजन सिंह ने कहा कि 'मैं भारत सरकार की उच्चस्तरीय कमेटी दिशा का सदस्य हूं।' 'बिहार विधानसभा की कार्यवाही देखने के लिए बुलाया गया है। पहली बार ट्रांसजेंडर समुदाय को विधानसभा की कार्रवाई देखने के लिए बुलाया गया है। इसलिए हम लोग काफी खुश हैं।' 'हम अगली बार विधानसभा का सदस्य बनकर आएंगे और बिहार में पहली बार होगा कि ट्रांसजेंडर MLA बनेंगे।'

पूर्व केंद्रीय मंत्री के रह चुके हैं PAः राजन सिंह ने बताया कि 'मैं पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि का PA था। उन्होंने पिता की तरह पाला पोसा, क्योंकि बचपन में ट्रांसजेंडर पैदा होने की वजह से माता-पिता ने मुझे छोड़ दिया था। इसलिए नागमणि मेरे लिए भगवान की तरह हैं।' 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विधानसभा का टिकट देंगे तो चुनाव जरूर लड़ेंगे और भारी बहुमत से जीतकर विधानसभा में आएंगे।' '2019 में नरेंद्र मोदी की सरकार ने ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन एक्ट लाया और फिर बिहार सरकार ने भी हमें प्रोटेक्शन दिया। कुछ दिन पहले राजभवन में भी हमारा स्वागत किया गया था। अब विधानसभा में हम लोगों को बुलाया गया है। इसलिए काफी खुशी है।'

नहर में डूबने से किसान की मौत, वैशाली में सब्जी खरीदकर लौटने के दौरान हादसा

हाजीपुर। वैशाली में नहर में डूबने से अधेड़ की मौत हो गई। घटना जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान राघोपुर पश्चिमी नया टोला निवासी रैन बिहारी सिंह(58) के रूप में हुई है। मृतक के भतीजे कुंदन कुमार ने बताया कि सोमवार शाम करीब 7:30 बजे उनके चाचा पैठिया से सब्जी खरीदकर लौट रहे थे। महे हाई स्कूल के पास नहर किनारे उनका पैर फिसल गया। स्थानीय लोगों ने शोर मचाया और परिजनों को सूचना दी। जब तक लोग मौके पर पहुंचे, रैन बिहारी सिंह की मृत्यु हो चुकी थी।

4 बच्चों के पिता था मृतकः घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया। मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उनके एक बेटा और तीन बेटियां हैं। मृतक सुंदर सिंह के बेटे थे।

संजना हत्याकांड के आरोपी घर पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

हाजीपुर। वैशाली में संजना हत्याकांड के मुख्य आरोपी रूपेश कुमार सिंह की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने न्यायालय से प्राप्त इश्तिहार को आरोपी के घर पर चस्पा कर दिया है। पुलिस टीम आरोपी की तलाश में उसके ससुराल, ननिहाल समेत संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। घटना 27 मई की है जब संजना कुमारी स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। पड़ोसी रूपेश कुमार सिंह ने उसका अपहरण कर लिया। उसकी हत्या कर शव को घर के पास मक्के के खेत में दफना दिया गया। संजना की मां ने दो थानों का चक्कर लगाया, लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। बता दें कि 11 जुलाई को संजना का शव घर से 200 मीटर दूर मक्के के खेत के गड्ढे से बरामद हुआ। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की, लेकिन वह फरार है।

सरेंडर नहीं करने पर होगी कार्रवाईः भगवानपुर थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी ने बताया कि आरोपी के घर पर इश्तिहार चिपकाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी जल्द आत्मसमर्पण नहीं करता है तो उसके घर की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

छत को ही बनाया खेत, सब्जियों की कर रहे फॉर्मिंग, पटना में 6 महीने से कर रहे हैं ऑर्गेनिक फार्मिंग

पटना। पटना में नारायण साव ने अपनी छत को खेत में बदल दिया है। वो अपनी छत पर ही मक्का और अलग-अलग सब्जियों की खेती करते हैं। नारायण साव पिछले 6 महीने से 1200 स्क्वायर फीट में बिना किसी रासायनिक खाद के ऑर्गेनिक फार्मिंग कर रहे हैं। वो यूट्यूब से इसकी ट्रेनिंग लेते हैं। पूरा मामला बाढ़ प्रखंड के जलगोविंद का है।

खर-पतवार को भी खाद में बदल देते हैंः दरअसल, नारायण साव पहले फुटवियर की दुकान चलाते थे। बेटे के दुकान संभालने के बाद उन्होंने खाली समय का सदुपयोग खेती में करने का निर्णय लिया। उन्होंने मछली स्टोर करने वाले फोम का उपयोग कर छत पर खेती शुरू की। नारायण, अपने घर के पास स्थित पांच कट्ठा जमीन पर हरी सब्जियां उगाते हैं और खर-पतवार को खाद में बदलकर उसका भी इस्तेमाल करते हैं। डेढ़ महीने पहले लगाई गई मक्का की फसल अब तैयार होने वाली है। इससे पहले वो बंदगोभी और बैंगन की भी खेती कर चुके हैं। अगली फसल के रूप में फूलगोभी लगाने की प्लानिंग है। उनकी पत्नी कौशल्या देवी भी खेती में सहयोग करती हैं। वह बच्चों की तरह फसल का देखभाल करती हैं। वह सिंचाई और निराई-गुड़ाई में भी अपने पति की मदद करती हैं। छत पर की गई खेती से घर का तापमान भी नियंत्रित रहता है। NH के किनारे घर होने के कारण आने-जाने वाले लोग इसकी तस्वीरें भी खींचते हैं।

जमीन विवाद को लेकर आदित्य को मारी गोली, पहले भी मर्डर कर चुका है आरोपी

पूरे गांव में खौफ, सभी आरोपी फरार

एजेंसी, पटना

पटना में 10 कट्ठा जमीन के विवाद में सिक्योरिटी एजेंसी मालिक आदित्य कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के 20 घंटे बाद भी पुलिस आरोपियों को पकड़ने में नाकाम रही है। पूरा मामला जिले के दुल्हिनबाजार थानाक्षेत्र के सदावह गांव का है। आदित्य कुमार के परिजनों ने गांव के ही नीतीश कुमार, सोनू कुमार और रोशन उपाध्याय पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि नीतीश कुमार ने आदित्य पर गोली चलाई और मारपीट की। पुलिस ने घटनास्थल से एक बाइक, देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया था।

रंगदारी वसूलता है नीतीश, जेल में है भाई उज्जवलः वहीं गांव में 4 साल पहले भी एक हत्या हुई थी। नीतीश कुमार और उसके भाई उज्जवल कुमार ने गुड्डू कुमार नाम के युवक की गोली मारकर हत्या की थी। दोनों जेल गए और कुछ महीने पहले जमानत पर बाहर आए। उज्जवल कुमार फिलहाल चरस और गांजा तस्करी मामले में गुजरात जेल में बंद है। नीतीश कुमार गांव में ही एक गैंग चलाता है और दुल्हिनबाजार में दुकानदारों से रंगदारी वसूलता है। नीतीश, सोनू और रोशन गांव में जमीन कब्जाने और वसूली का काम करते हैं। इस घटना के बाद गांव में एक बार फिर डर का माहौल हुआ है। नीतीश का खौफ पूरे गांव और बाजार में बना हुआ है।

10 कट्ठा जमीन कब्जा कर रखा थाः आदित्य कुमार उर्फ छोटे का नीतीश ने काफी सालों से 10 कट्ठा जमीन कब्जा कर रखा था और छोड़ने के बदले पैसा मांगता था, जिसको लेकर विवाद चल रहा था। कल भी हत्या से पहले सुबह में नीतीश अपने साथियों के साथ आया और आदित्य के साथ गाली-गलौज करने लगा और मारपीट किया। इसके बाद 12 बजे जब आदित्य कुमार गांव के सड़क के पास था उसी समय नीतीश सोनू और रोशन उपाध्याय बाइक से आए और नीतीश ने आदित्य पर फायरिंग कर दी। गोली सिर में लगी और मौके पर मौत हो गई। इधर, घटना के बाद भागने के दौरान बाइक, हथियार और गोली वहीं छोड़कर फरार हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि नीतीश कुमार और उसका पूरा परिवार अपराधी छवि का है।

गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुटी पुलिसः घटना के बाद पटना पश्चिम सिटी SP भानु प्रताप सिंह घटनास्थल पहुंचे थे तो परिजनों ने तीनों अपराधी का नाम भी बताया था। इधर, SP ने घटना को लेकर विशेष टीम का गठन पालीगंज DSP के नेतृत्व में किया था, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस फरार अपराधियों की गिरफ्तारी में लगातार छापेमारी कर रही है। दुल्हिनबाजार थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी में पुलिस की टीम लगी हुई है, लेकिन अभी तक मृतक के परिजनों के तरफ से थाने में कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। लिखित आवेदन आने के बाद और आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

24 जुलाई को विधानसभा का घेराव

पटना। बिहार विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है। सदन में लगातार विपक्ष हमलावर है। इसी बीच कांग्रेस की छात्र संगठन NSUI विधानसभा का घेराव किया जाएगा। 24 जुलाई को दोपहर 12 बजे छात्र इनकम टैक्स से मार्च करते हुए विधानसभा का घेराव करने के लिए बढ़ेंगे। इस मार्च में पटना यूनिवर्सिटी सहित बिहार के सभी विवि से छात्र और छात्राएं शामिल होने आएंगे। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सूरज यादव ने कहा कि मुख्य रूप से 5 मुद्दों को लेकर हम यह घेराव करने जा रहे हैं। पहला निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण और SC-ST सब-प्लान लागू होना होना चाहिए। निजी शिक्षण संस्थानों में इन समुदायों की हिस्सेदारी न के बराबर है। दूसरा 3 साल की डिग्री 3 साल में दी जाए, इसे 5 साल न किया जाए। तीसरा 50% आरक्षण की सीमा क्यों हटाने की बात की जा रही है। चौथा बिहार में शैक्षणिक इन्फ्रास्ट्रक्चर बर्बाद है। बिहार सरकार शिक्षा पर खर्च नहीं कर रही। दलित, पिछड़ा, आदिवासी छात्रों की स्कॉलरशिप पर 70% तक की कटौती की गई है। पांचवां छात्र क्रेडिट कार्ड के नाम पर पढ़ाई के लिए लाखों का कर्ज तो दिया, लेकिन नौकरी नहीं मिली। सरकारी नौकरियों के लाखों पद खाली हैं।

वंदना गुप्ता को जाना होगा जेल, नाबालिग बच्चियों से रेप का है मामला

एजेंसी, पटना

गाय घाट महिला रिमांड होम की तत्कालीन सुपरिटेंडेंट वंदना गुप्ता मुश्किल में आ गई हैं। उन्हें फिर से ज्यूडिशियल कस्टडी में जाना होगा। जेल में रहना होगा। उन्हें सरेंडर करने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट से इसके लिए 4 सप्ताह के अंदर का वक्त उन्हें दिया गया है। इस संबंध में एक आदेश सुप्रीम कोर्ट की तरफ से जारी किया गया है। इसकी पुष्टी एडवोकेट मीनू कुमारी ने की है।

महिला थाने में दर्ज हुए थे दो FIRः दरअसल, गाय घाट महिला रिमांड होम की तत्कालीन सुपीटेंडेंट वंदना गुप्ता के खिलाफ पटना के महिला थाना में दो FIR दर्ज हुए थे। इसमें पहली FIR 13/22 और दूसरी FIR 17/22 दर्ज हुई थी। मामला नाबालिग बच्चियों के रेप से जुड़ा था। उस वक्त दो अलग-अलग लड़कियों के बयान पर केस दर्ज किया गया था। एडवोकेट मीनू कुमारी दोनों ही

केस में पीड़ित लड़कियों का पक्ष कोर्ट में रख रही थीं।

2022 में हुई थी गिरफ्तारीः केस दर्ज होने के करीब 6 महीने बाद पटना पुलिस की SIT ने 27 अगस्त 2022 को वंदना गुप्ता को गिरफ्तार किया था। कोर्ट में पेशी के बाद उसे जेल भेज दिया था। पटना के पॉक्सो कोर्ट से जमानत नहीं मिलने के बाद वंदना गुप्ता के एडवोकेट ने हाई कोर्ट में अपील की थी। पहले उन्हें एक केस में जमानत मिली। फिर 18 जनवरी 2024 को उन्हें दूसरे केस में भी जमानत मिल गई थी। इसके बाद वो जेल से बाहर आ गईं। पर उसी बीच उन्हें करीब 16 महीने से अधिक जेल में रहना पड़ा।

बिहार में टीआरई-4 से पहले एसटीईटी की मांग तेज

एजेंसी, पटना

बिहार में शिक्षक भर्ती परीक्षा TRE-4 से पहले STET परीक्षा कराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। छात्र संगठनों का कहना है कि सरकार ने पहले साल में दो बार STET आयोजित करने की घोषणा की थी। लेकिन, 2024 और 2025 में अब तक एक भी विज्ञापन जारी नहीं किया गया। अपियरिंग अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। छात्र नेता दिलीप कुमार ने STET की जल्द परीक्षा आयोजित कर TRE-4 में शामिल होने का मौका देने की मांग की है।

दो बार STET कराने का दावा किया गया थाः दिलीप कुमार ने कहा कि, "छात्रों की यह मांग पूरी तरह जायज है। सरकार ने वादा किया था कि हर साल दो बार STET कराया जाएगा, लेकिन 2024 में जून में जो परीक्षा हुई थी, उसका विज्ञापन दिसंबर 2023 में ही निकला था। इसके बाद से अब तक STET का

छात्र नेता दिलीप बोले- बिहार के युवाओं के लिए डोमिसाइल नीति लागू की जाए

कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ है। ऐसे में लाखों अभ्यर्थियों का भविष्य अटक गया है। उन्होंने कहा कि सरकार को STET का विज्ञापन जल्द से जल्द जारी करना चाहिए और इसे डोमिसाइल नीति के तहत आयोजित करना चाहिए। दिलीप कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मांग की कि बिहार की सभी सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल नीति को लागू किया जाए, ताकि राज्य के युवाओं को प्राथमिकता मिल सके।

16 जुलाई को मुख्यमंत्री ने दिया था आदेशः इधर, विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने युवाओं को बड़ा तोहफा देने की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी संख्या में बहाली को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षा विभाग को आदेश जारी कर दिया है। 16 जुलाई को मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X के माध्यम से कहा था, हमने शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के सभी रिक्त पदों की गणना तुरंत कर ली जाए। TRE-4 परीक्षा जल्द आयोजित कराई जाए। मुख्यमंत्री के इस आदेश के बाद शिक्षा मंत्री प्रो. सुनील कुमार ने स्पष्ट किया कि TRE-4 परीक्षा विधानसभा चुनाव से पहले ही कराई जाएगी। उन्होंने बताया, "विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में निर्णय लिया गया है। हमारी कोशिश है कि सभी प्रक्रियाएं तेजी से पूरी हों ताकि योग्य अभ्यर्थियों को समय पर अवसर मिल सके।"

स्थानीय निवासियों को मिलेगा लाभः शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार डोमिसाइल नीति को पूरी तरह लागू करने की दिशा में कानूनी सलाह ले रही है। इसके लागू होने से सरकारी शिक्षकों की नियुक्ति का लाभ केवल बिहार के स्थायी निवासियों को ही मिलेगा और बाहरी अभ्यर्थियों के कारण राज्य के युवाओं के अवसरों पर असर नहीं पड़ेगा। छात्र संगठनों ने सरकार से TRE-4 परीक्षा से पहले STET का नोटिफिकेशन जारी करने की अपील की है, ताकि सभी योग्य अभ्यर्थियों को इसका लाभ मिल सके। शिक्षक बनने के उनके सपने पूरे हो सकें।

पटना एम्स डॉक्टर मौत मामले में सीबीआई जांच की मांग, रेजिडेंट डॉक्टर्स का हंगामा

एजेंसी, पटना

पटना AIIMS के जूनियर डॉक्टर यजुवेंद्र साहू की मौत 19 जुलाई को हुई थी। वहीं अब डॉ. यदुवेंद्र साहू की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले को लेकर रेजिडेंट डॉक्टर्स और मेडिकल छात्रों ने सोमवार को AIIMS प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

CBI से जांच की मांगः परिजनों ने यदुवेंद्र की मौत को आत्महत्या मानने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि डॉ. यदुवेंद्र को आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया। परिजनों ने यजुवेंद्र साहू की मौत की जांच CBI से कराने की मांग की है। इसके लिए उन्होंने सिटी SP वेस्ट को पत्र लिखा है। परिजनों का कहना है कि यदुवेंद्र साहू आत्महत्या नहीं कर सकते हैं। उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि डॉ. नीलेश के आत्महत्या के बाद भी AIIMS प्रशासन ने आत्महत्या रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। रेजिडेंट डॉक्टर्स का आरोप है कि AIIMS प्रशासन ने घटना के बाद यदुवेंद्र के परिवार से मिलना तक सही नहीं समझा। इससे नाराज परिजन शव का पोस्टमार्टम

परिजन बोले- आत्महत्या करने पर मजबूर किया, काम का ज्यादा है दबाव

पटना PMCH में करवाने गए। वहीं पिछले 2 साल में डॉक्टर के सुसाइड की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 26 सितंबर 2023 को हरियाणा निवासी एनेस्थीसिया डॉक्टर, डॉ. नीलेश ने भी AIIMS में आत्महत्या कर ली थी।

2023 में भी डॉक्टर ने किया था सुसाइडः यह घटना पटना एम्स में पिछले दो वर्षों में दूसरी है। इससे पहले 26 सितंबर 2023 को हरियाणा के एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉक्टर नीलेश कुमार ने भी आत्महत्या कर ली थी। डॉक्टर्स का कहना है कि पहली घटना के बाद भी प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उस दौरान भी नीलेश के बॉडी को हरियाणा भेजने के लिए ठीक से उनके शव को सील नहीं किया गया था। यहां तक की ताबूत के साइज के अनुसार उनके शव को पैक किया गया। एयर एंबुलेंस द्वारा एयरपोर्ट पर उनके शव को लेने से इनकार कर दिया गया। उस वक्त एम्स के मेडिकल छात्र जो एयरपोर्ट पर डॉ. नीलेश के परिजनों को छोड़ने गए थे। उन्होंने ताबूत के साइज को ठीक करने के लिए बारिश के बीच ताबूत में कील ठोका, उनके बॉडी को ठीक से सील की गई। तब जाकर उनके शव को एयर एंबुलेंस से भेजा गया।

डॉक्टरों पर काम का बहुत ज्यादा दबावः एम्स के एक सीनियर डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि संस्थान में काम का बहुत ज्यादा दबाव है। सीनियर डॉक्टरों का व्यवहार भी रेजिडेंट्स और छात्रों के प्रति अच्छा नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासन को डॉक्टर की मौत के बाद के प्रोटोकॉल की भी सही जानकारी नहीं है।

पटना-बख्तियारपुर हाईवे पर वाहन की टक्कर से नाबालिग की मौत

एजेंसी, पटना

पटना के नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत जेठुली पानी टंकी के पास सड़क हादसे में 15 वर्षीय किशोर आदित्य कुमार की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने पटना-बख्तियारपुर स्टेट हाईवे को जाम कर दिया, जिससे लगभग दो घंटे तक आवाजाही बाधित रही। ग्रामीणों के अनुसार, यह घटना तब हुई, जब आदित्य दोपहर में अपने घर से किसी काम से कच्ची दरगाह की ओर जा रहा था।

पटना-बख्तियारपुर स्टेट हाईवे 2 घंटा रहा जामः जेठुली पानी टंकी के पास एक वाहन की चपेट में आने से उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने आदित्य के शव को उठाकर जेठुली के रेडियो स्टेशन के पास पटना-बख्तियारपुर स्टेट हाईवे पर रख दिया और सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलते ही नदी

2 घंटे सड़क जाम, बेटे की मौत से सदमे में मां, पिता की सालों पहले हो चुकी है मौत

थानाध्यक्ष राजू कुमार और फतुहा थानाध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों को काफी समझाया जिसके बाद लगभग दो घंटे बाद जाम हटाया जा सका।

पिता की सालों पहले हो चुकी है मौतः नदी थानाध्यक्ष राजू कुमार ने बताया कि शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अनंत सिंह के करीबी रहे लल्लू मुखिया के घर कुर्की

एजेंसी, पटना

बिहार में लोहिया जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्णवीर सिंह यादव उर्फ लल्लू मुखिया के घर पर पुलिस ने कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। यह कार्रवाई मंगलवार की सुबह 10 बजे की गई है।करीब तीन घंटे तक कुर्की जब्ती की कार्रवाई चलती रही। इस दौरान पुलिस और लल्लू मुखिया के परिजनों में बहस में हुई। दरअसल, मृतक कमलेश की पत्नी और बेटा कुमार गौरव लल्लू मुखिया के घर पहुंच गए। पुलिस ने उसे घर के अंदर जाने से रोका। बाढ़ अनुमंडल के सभी सात थानों की पुलिस इस दौरान मौजूद रही। सोमवार को मजिस्ट्रेट की तैनाती नहीं होने के कारण यह कार्रवाई स्थगित कर दी गई थी। कर्णवीर सिंह यादव उर्फ लल्लू मुखिया पहले मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह के करीबी थे। पिछले लोकसभा चुनाव में दोनों के बीच मतभेद हो

2024 लोकसभा चुनाव में मतभेद हुआ था, मर्डर के केस में आरोपी

गए। यादव ने बाढ़ विधानसभा का चुनाव निर्दलीय लड़ा। वे कांग्रेस उम्मीदवार से मात्र 5 हजार वोट पीछे रहकर तीसरे स्थान पर रहे। 2023 में कोनहर पुल के पास कमलेश प्रसाद की हत्या के मामले में लल्लू मुखिया को अप्राथमिक अभियुक्त बनाया गया। अब इस मामले में नया मोड़ आया है। मृतक कमलेश प्रसाद की पत्नी और बेटे ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

नगर आयुक्त ने कहा- कचरा फेंकने वाले संस्थान पर होगी कार्रवाई, एफआईआर और केस भी होगा

एजेंसी, पटना

पटना की धरोहर गोलघर के ठीक सामने स्थित बांकीपुर घाट क्षेत्र में बीते कुछ दिनों से भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा और निर्माण कार्य से उत्पन्न मलबा अवैध रूप से डंप किया गया था। यह कचरा करीब 200 मीटर तक फैला हुआ था। कचरे का विशाल पहाड़ रात के अंधेरे में डाला गया था, जिससे गंगा नदी की स्वच्छता पर असर पड़े और वह प्रदूषित हो। इसकी जानकारी बीइंग हेल्पर फाउंडेशन की ओर से नगर निगम को दी गई। संस्थान के संस्थापक शुभम कुमार और मुस्कान की टीम मौके पर पहुंची। नगर निगम के सहयोग से कचरे को हटाया गया।

बांकीपुर घाट पर 200 मीटर तक डंप किया गया कचरा

कचरा फेंकने वाले संस्थान पर होगा FIR और केसः पूरे मामले पर संज्ञान लेते हुए पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पाराशर ने कहा कि 'सोमवार की रात पता चला कि ट्रैक्टर से मलबा गंगा किनारे डंप किया गया है। इसकी साफ-सफाई मुकम्मल कर ली गई है। हम ICCC से इसकी जांच करवा रहे हैं कि कौन सा प्रतिष्ठान रात्रि के अंधेरे में इस काम को अंजाम दिया है। जैसे ही हमें संस्थान का पता चलेगा उसपर मुकम्मल कार्रवाई होगी और अर्थदंड भी दिया जाएगा। पटना नगर निगम उस संस्थान पर फाइन के साथ-साथ FIR और केस भी करेगी। काफी मेहनत से निगम के कर्मी और कई स्वयं सेवी संस्थान साफ-सफाई में लगे रहते हैं।'

कचरा को भेजा गया वेस्ट मैनेजमेंट प्लांटः वहीं, इस डंपिंग के बारे में पता चलने पर बीइंग हेल्पर फाउंडेशन, पटना नगर निगम के कर्मियों के साथ मिलकर करीब 2 हजार किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया, जिसे नगर निगम द्वारा संचालित वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट में भेजा गया। इसके अतिरिक्त, पटना नगर निगम – पाटलिपुत्र अंचल द्वारा जेसीबी मशीनों और सफाईकर्मियों की सहायता से पूरे घाट की सफाई कराई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वहां मौजूद पूरे कचरा पहाड़ को शीघ्र ही पूरी तरह से साफ कर दिया जाएगा।

तीन वर्षों तक गर्भ से सुरक्षा देगा नया साधन

सदर अस्पताल मोतिहारी में 'सबडर्मल इम्प्लांट' का शुभारंभ

बीएनएम@मोतिहारी

31 जुलाई तक चलेगा परिवार नियोजन मेला

सदर अस्पताल मोतिहारी में परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों की श्रृंखला में एक और नया विकल्प 'सबडर्मल इम्प्लांट' जोड़ा गया है। इसका औपचारिक शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. रविभूषण श्रीवास्तव ने किया। यह गर्भनिरोधक साधन तीन वर्षों तक प्रभावी रहता है और महिलाओं को अनचाहे गर्भ से सुरक्षा प्रदान करता है।

इस अवसर पर सिविल सर्जन ने बताया कि सबडर्मल इम्प्लांट के माध्यम से दो बच्चों के बीच उचित अंतराल बनाए रखा जा सकता है, जो जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि यह सुविधा अब प्रतिदिन सदर अस्पताल मोतिहारी में उपलब्ध रहेगी और शीघ्र ही इसे अनुमंडलीय अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) तक विस्तारित किया जाएगा। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. जी. डी. तिवारी ने बताया कि इस सेवा की शुरुआत डॉ. सुरुचि स्मृति के मार्गदर्शन में की गई है, जो आगे जिला भर में लागू की जाएगी। वहीं, डीसीएम नंदन झा ने परिवार नियोजन के प्रति जन जागरूकता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि "बिना जन जागरूकता के जनसंख्या नियंत्रण संभव नहीं है। विवाह के बाद 'बच्चे दो ही अच्छे' की भावना अपनाना आज की जरूरत है।" उन्होंने बताया कि जिले में विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कैंप लगाकर कंडोम, माला, छाया, अंतरा और गर्भनिरोधक गोलियां जैसे अस्थायी साधनों का वितरण किया जा रहा है। डीसीएम नंदन झा ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में 31 जुलाई तक परिवार नियोजन मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का उद्देश्य योग्य दंपतियों को जागरूक करना, उचित परामर्श देना और उन्हें मुफ्त गर्भनिरोधक सेवाएं उपलब्ध कराना है। इनमें कॉपर-टी, गर्भनिरोधक इंजेक्शन (एमपीए), बंध्याकरण और नसबंदी जैसी सेवाएं शामिल हैं। शुभारंभ अवसर पर एसीएमओ डॉ. जी. डी. तिवारी, डॉ. अमृतांशु, हेल्थ मैनेजर कौशल दुबे, अमित कुमार, के आदित्य राज, सिफार के सिद्धांत कुमार सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

उमाशंकर जायसवाल बने राष्ट्रीय लोक मोर्चा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ बिहार के प्रदेश अध्यक्ष

बीएनएम@मोतिहारी

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष,भारत सरकार के पूर्व मंत्री व सांसद उपेंद्र कुशवाहा के निर्देश पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा बिहार के प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने प्रसिद्ध गायक एवं गीतकार, चंपारण निवासी उमाशंकर जायसवाल को रालोमो सांस्कृतिक प्रकोष्ठ बिहार का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। विदित हो कि श्री जायसवाल समता पार्टी में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ बिहार का प्रदेश अध्यक्ष रह चुके है। श्री जायसवाल विभिन्न दलों के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के सैकड़ों नेताओं के चुनावी गीत बना चुके है। इनके मनोनयन पर बधाई देने वालो में पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव एवं बिहार राज्य नागरिक परिषद के उपाध्यक्ष माधव आनंद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व एमएलसी रामेश्वर कुमार महतो, पूर्व विधायक प्रो. (डॉ) रणविजय सिंह, जितेंद्र नाथ पटेल, राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता फजल इमाम मल्लिक, नरेंद्र मिश्रा, डॉ. रामकुमार मेहता, रेखा गुप्ता, अखिलेश्वर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष व खाद्य आयोग बिहार के सदस्य अंगद कुशवाहा, संसदीय बोर्ड बिहार के अध्यक्ष आलोक सिंह, मुख्यालय प्रभारी व प्रदेश महासचिव प्रशांत पंकज, सुभाष चंद्रवंशी, प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता राम पुकार सिन्हा, बृजेन्द्र पप्पु, राहुल कुमार, अख्तर नेहाल, नीतिन भारती, हिमांशु पटेल, अशोक राम, स्मृति कुमुद, ठाकुर धर्मेंद्र सिंह, डॉक्टर दीपक कुमार, संतोष गुप्ता, संतोष गौंड, इं रौशन राजा, कार्यालय सचिव अशोक कुशवाहा प्रमुख है। उक्त आशय की जानकारी पार्टी प्रवक्ता राम पुकार सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

बथना के आशुतोष कुमार ने यूजीसी-नेट में 97 पर्सेंटाइल प्राप्त कर रचा कीर्तिमान

बीएनएम@केसरिया

ग्राम पंचायत बथना निवासी आशुतोष कुमार ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित यूजीसी-नेट परीक्षा में 97 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आशुतोष, जितेंद्र सिंह एवं वीणा सिंह के पुत्र हैं। उनकी इस सफलता से न सिर्फ उनके परिवार में बल्कि पूरे गाँव और केसरिया क्षेत्र में खुशी की लहर है। लोग आशुतोष को बधाई दे रहे हैं और उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बता रहे हैं।

यूजीसी-नेट (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) भारत सरकार द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय परीक्षा है, जिसका उद्देश्य कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक अथवा जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ) के लिए योग्य उम्मीदवारों का चयन करना होता है। इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करना अकादमिक क्षेत्र में करियर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। आशुतोष कुमार ने यह सफलता अपनी मेहनत, अनुशासन और पारिवारिक सहयोग के बल पर प्राप्त की है। उनके शिक्षकों, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं। स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने आशुतोष की इस उपलब्धि की प्रशंसा की है और कहा है कि यह क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया के सहयोग से वन विभाग से निशुल्क पौधा रोपण

बीएनएम@मोतिहारी

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया के सहयोग से वन विभाग से निशुल्क पौधे प्राप्त कर UHS+2 बसतपुर मोतिहारी मे इको क्लब से मीटिंग की गई। जिसमें पौधारोपण एवं पौधों की देखभाल के लिए बताया गया उसके बाद प्रांगण में खाली स्थान पर 100 पौधे लगाए गए । इस अवसर पर इको क्लब कोआर्डिनेटर शिक्षक मिथलेस कुमार पाठक , रंजय कुमार, शिक्षिका नंदनी कुमारी, पुष्पा कुमारी ,खुशबू कुमारी,ज्योति कुमारी ने सहयोग किया, इस अवसर पर डायट को आर्डिनेटर अनिल कुमार सिंह ने इको क्लब के सदस्यों एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं साथ मीटिंग के दौरान पौधरोपण के महत्व एवं उपयोगिता के बारे में बताया और साथ ही यह भी बताया कि पौधों की देखभाल हम कैसे और किस प्रकार करेंगे।

25 जुलाई से 28 जुलाई तक "शिक्षा में भारतीयता" विषय पर सभा का आयोजन

बीएनएम@मोतिहारी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास उत्तर बिहार के सहसंयोजक प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार (डॉ. श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय, मोतिहारी) के प्राचार्य ने बताया कि दिनांक 25 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक केरल के कोच्चि एडापल्ली में "शिक्षा में भारतीयता" विषय पर एक सभा का आयोजन किया जा रहा है। इस सभा के आयोजन में राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर राज्यपाल केरल, डॉ. अतुल कोठारी राष्ट्रीय सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, डॉ. मोहन राव भागवत संघ संचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक, डॉ. पंकज मित्तल राष्ट्रीय अध्यक्ष, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, प्रो. (डॉ.) टीजी सीताराम अध्यक्ष अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा (भारत सरकार) प्रो. गंती एस. मूर्ति राष्ट्रीय समन्वयक, भारतीय ज्ञान प्रणाली (शिक्षा मंत्रालय) इत्यादि सम्मिलित होकर इस सभा के आयोजन को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

ज्ञान सभा में 2025 केरल के स्वदेशी बौद्धिक परंपराओं जैसे आयुर्वेद, कलारी, पर्यटन, वास्तु कला, तंत्र और गणितीय विरासत के साथ-साथ समय के साथ उभरे सामाजिक सुधारो के दर्शन और प्रथाओं को मुख्य धारा की शिक्षा में एकीकृत करने पर केंद्रित है। जिसका एकमात्र उद्देश्य अमर मूल्य से ओत-प्रोत कुशल स्नातकों का विकास करना हैं सभा आत्मनिर्भर भारत के लिए शिक्षा क्षेत्र में रेखांकित और दूरगामी गतिविधियों की परिकल्पना करती है साथ ही स्वशासन उधमशीलता और समग्र विकास को बढ़ावा देती है। शिक्षा में भारतीयता केरल के दृष्टिकोण एक राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण शिक्षा सम्मेलन होगा, जिसका उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए परिवर्तन नीतियां तैयार करना है। जिसमें पद्म पुरस्कार विजेताओं, वैज्ञानिक अधिकारियों, शैक्षणिक नेताओं के साथ-साथ स्कूलों कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों शोधकर्ताओं और अन्य शैक्षिक विचारों को एक साथ लाया जाएगा साथ ही इसमें शिक्षा में भारतीयता विषय पर भारतीयता के विभिन्न पहलुओं को रखा जाएगा यही इस सभा का मुख्य उद्देश्य है।

हत्या, अपहरण शराब समेत विभिन्न मामलों में 12 गिरफ्तार

बीएनएम@हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में सोमवार की रात स्थानीय पुलिस द्वारा विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें हत्या, अपहरण और मद्य निषेध कानून के उल्लंघन समेत विभिन्न मामलों में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अपहरण के मामले में कृतपुर मठिया गांव के प्रिंस पटेल और शंभू पटेल को पकड़ा गया, जबकि हत्या के आरोप में बैरियाडीह वार्ड संख्या 1 निवासी मुकेश पासवान (पिता– जम्मू पासवान) की गिरफ्तारी हुई है।

मद्य निषेध कानून के तहत कार्रवाई करते हुए सरिसवा गांव निवासी लक्ष्मण कुमार (पिता– मुखलाल मांझी) को 24 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं विभिन्न मामलों में वारंटी के रूप में पकड़े गए अन्य अभियुक्तों में सोनबरसा गांव के पन्नालाल सहनी (पिता–वासुदेव सहनी), हरपुर के टुनटुन मियां (पिता–गुल मोहम्मद), जैल मुरारपुर के विद्या महतो और शारदा महतो (पिता– विक्रम महतो), मोजीबुल रहमान (पिता–साबिर मियां), सरिसवा के वसीर मियां (पिता–शकूर मियां), मुरारपुर बगहुत के दुर्गा प्रसाद यादव (पिता–स्वर्गीय जोगेंद्र यादव), हरसिद्धि बाबू टोला के फिरोज आलम (पिता–हर्बल मियां) और जैल मुरारपुर के अनिल कुमार (पिता–स्व. नंदलाल महतो) शामिल हैं। अभियान के दौरान एक नाबालिग लड़की को अपहरण कांड में बरामद किया गया है। सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस अभियान की पुष्टि थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने की। छापेमारी दल में उनके साथ दरोगा रामबाबू यादव, अविनाश कुमार, शिखा कुमारी, अनिल सिंह तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

आपदा से बचाव के लिए जागरूकता रथ रवाना

- जिलाधिकारी ने समाहरणालय से दिखाई हरी झंडी

बीएनएम@मोतिहारी।

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर से आपदा जन-जागरूकता एलईडी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ अगलगी, वज्रपात, डूबने की घटनाओं और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए आमजन को जागरूक करेगा।

यह अभियान बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन शाखा द्वारा संचालित किया जा रहा है। 22 जुलाई से 2 अगस्त तक जिले के 27 अंचलों और सभी नगर निकाय क्षेत्रों में एलईडी रथ के माध्यम से लोगों को आपदा से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। रथ ग्रामीण व शहरी इलाकों में जाकर आग, वज्रपात, बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के तरीके बताएगा। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा, "आपदा से पहले की गई तैयारी ही सबसे बड़ा बचाव है। यह अभियान ग्रामीण समुदाय को सशक्त बनाएगा और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए तैयार करेगा।" उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में अभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन), उप विकास आयुक्त, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, आपदा मित्र सहित कई अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

तुरकौलिया पुलिस ने मोबाइल चोर, स्प्रिट माफिया समेत तीन को गिरफ्तार

बीएनएम@तुरकौलिया

स्थानीय पुलिस ने सोमवार को अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर मोबाइल चोरी और अवैध शराब निर्माण से जुड़े मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मोबाइल चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया आरोपी प्रदुमन प्रसाद बतरौलिया का रहने वाला है। वह शंकर सरैया चौक स्थित एक मोबाइल दुकान की एलबेस्टर हटाकर करीब दो लाख रुपये से अधिक मूल्य के सामान की चोरी कर चुका था। इस मामले में दुकानदार मोहम्मद आसीम की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अनुसंधान के आधार पर आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी की। वहीं स्प्रिट माफिया के रूप में गिरफ्तार किया गया रवि यादव पिछले दो वर्षों से फरार चल रहा था। 23 अप्रैल 2023 को पुलिस ने उसके एलबेस्टर वाले घर में छापेमारी की थी, जहां से एक अवैध शराब निर्माण फैक्ट्री का खुलासा हुआ था। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में शराब बनाने का सामान बरामद हुआ था, जबकि दो लोग मौके से फरार हो गए थे। इसी मामले में रवि यादव और उसके भाई सिकंदर यादव पर एसआई वेदा भारती ने केस दर्ज कराया था। दोनों भाई मिलकर अवैध शराब निर्माण में संलिप्त थे। तीसरे आरोपी हरेंद्र सहनी को उसकी पत्नी माला देवी के आवेदन पर गिरफ्तार किया गया है। माला देवी के अनुसार, हरेंद्र शराब पीकर घर आया और हंगामा करने लगा। बार-बार समझाने पर भी नहीं मानने पर उन्होंने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया। थाने में ब्रेथ एनालाइजर से जांच में उसके शराब पीने की पुष्टि हुई। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जीविका पूर्वी चम्पारण के साथ जीविका समन्वयन एवं मेगा ऋण वितरण समारोह का आयोजन

बीएनएम@मोतिहारी।

स्टेट बैंक आफ इंडिया के तत्वाधान में जीविका पूर्वी चम्पारण के साथ जीविका समन्वयन एवं मेगा ऋण वितरण समारोह का आयोजन मोतिहारी में के किया गया । इस कार्यशाला का शुभारंम्भ मुख्य अतिथि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य महाप्रबंधक बंगाराजू के. वी, मुख्य महाप्रबंधक अनुराग जोशी, GM-R नटराजन और क्षेत्रीय प्रबन्धक संजीव कुमार सिंह जीविका के राज्य परियोजना प्रबंधक (बैंक लिंकेज) पुष्पेंद्र सिंह तिवारी एवं जीविका जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया | इस एक दिवसीय जीविका समन्वयन एवं ऋण वितरण समारोह में जीविका जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा जीविका द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा करते हुए बताया कि दीदियाँ आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की ओर बढ़ रही हैं। जीविका दीदियों को दिए गए ऋण के वापसी का दर काफी बेहतर है।जीविका दीदियां स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से साप्ताहित बैठक कर अपनी ऋण जरूरतों पर चर्चा करते हुए योजना बनाती है एवं साप्ताहिक बचत, लेन-देन, ऋण वापसी एवं लेखांकन करते हुए ऋण प्राप्त करती हैं। कोई भी समूह NPA न हो इसके लिए ऋण वापसी कमिटियों द्वारा कार्य किया जाता है। ऋण वापसी का विवरण जीविका के MIS पोर्टल पर ऑनलाइन किसी के भी द्वारा देखा जा सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक ने जीविका समूहों के साथ ऋण वितरण सम्बन्धी गतिविधियों के सभी स्तर पर पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया साथ ही मुख्य महाप्रबंधक ने उपस्थित सभी जीविका दीदियों एवं बैंक शाखा प्रबंधकों को संबोधित करते हुए कहा की जीविका के सभी समूहों का जुड़ाव बहुत ही महत्वपूर्ण है और सभी समूह से जुडी दीदियाँ इसका लाभ लेकर अपने आर्थिक स्तिथि को बेहतर बना सकती है | साथ ही जिले के सभी बैंक शाखाओं में अधिक से अधिक जीविका समूहों के बचत एवं ऋण खाता खोलने का निर्देश दिया । जीविका के प्रबंधक सूक्ष्म वित्त राजू कुमार पासवान ने जीविका द्वारा जिले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ बैंकिंग संबंधी गतिविधियों की जानकारी साझा की गयी। प्रबंधक सूक्ष्मवित् द्वारा जिले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किये गए वित्तीय समावेशन की दिशा में किये जा रहे कार्यों के विषय में विस्तृत रूप से चर्चा किया गया | आज के मेगा ऋण वितरण समारोह में जिले के 957 स्वयं सहायता समूहों में 31 करोड़ रुपए का ऋण वितरण किया गया । इस अवसर पर SBI बैंकों के शाखा प्रबंधकों सहित जिले के सभी जीविका बीपीएम, विषयगत प्रबंधकों एवं प्रखंड स्तरीय जीविका कर्मी के अलावा बैंक के अन्य प्रतिनिधि एवं सैंकड़ों जीविका दीदियों ने भाग लिया | इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले जीविका के सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक, बैंक शाखा प्रबंधक सहित अपना अनुभव साझा करने वाले जीविका दीदियों को सम्मानित भी किया गया।

पहाड़पुर की बेटी शिखा पाण्डेय ने नेट किया क्वालिफाई, युवाओं की बनी प्रेरणास्रोत

बीएनएम@मोतिहारी

पहाड़पुर की रहने वाली शिखा पाण्डेय ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) क्वालिफाई कर जिले का नाम रोशन किया है। शिखा, बनकाटवा गांव के किसान संजीव पाण्डेय और गृहिणी रूबी पाण्डेय की पुत्री हैं।

शिखा ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से स्नातक और काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की है। अब उनका लक्ष्य प्रशासनिक सेवा में जाना है।

उनकी इस सफलता से परिवार और गांव में खुशी की लहर है। शिखा के बाबा विक्रमा पाण्डेय ने अपनी पोती की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि शिखा ने पूरे परिवार का सिर ऊंचा कर दिया है।

राजद का कार्यकर्ता सम्मेलन, मतदाता बचाओ अभियान को लेकर रजाकपुर में जुटे नेता

बीएनएम@ नावकोठी.

मतदाता बचाओ अभियान कार्यक्रम के तहत राजद का रजाकपुर विवाह भवन में बखरी विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन मंगलवार को आयोजित की गयी.बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मोहित यादव ने किया. जिला सचिव पशुपति पासवान ने आगत अतिथियों का पार्टी का गमछा और फूल माला देकर सम्मानित किया. चुनाव आयोग द्वारा बिहार में चलाये जा रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण सहित संगठन मजबूती,जनता से जुड़े ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई.प्रदेश प्रवक्ता श्री यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा भाजपा-एनडीए के इशारे पर चुनाव आयोग मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से बिहार के गरीबों,दलितों, पिछड़ों, अतिपिछड़ों, अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्ग के लोगो का मतदाता सूची से नाम काटना चाहती है.वोट का अधिकार छीनना चाहती है.राजद किसी भी कीमत पर इसे बर्दाश्त नहीं करेगा. इसके लिए सड़क से सदन तक और न्यायपालिका में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लड़ाई लड़ने के लिए संकल्पित है.इस लड़ाई को मजबूती से लड़ भी रहे हैं.

प्रदेश महासचिव फैयाज आलम ने कहा कि बिहार में अपराधियों का राज कायम है.राज्य की विधि व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुका है.अपराधियों के मन से शासन प्रशासन का खौफ खत्म हो चुका है.जिसके कारण दिनदहाड़े अपराधी बेखौफ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहा है. प्रदेश महासचिव श्रीनारायण महतो ने कहा कि बिहार में 17 वर्षों से और केंद्र में 11 वर्षों से एनडीए की सरकार है.फिर भी रिकॉर्डतोड़ महंगाई,

बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, गरीबी और पलायन क्यों है. इन ज्वलंत मुद्दों से राज्य की जनता त्राहिमाम है. इस मुद्दों पर भाजपा को बोलना चाहिए.एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार नीतीश-भाजपा सरकार के शासककाल में 65 हजार से अधिक हत्या हो चुका, 30 हजार से अधिक बलात्कार की घटना, 1 लाख से अधिक अपहरण की घटना और तीन लाख से अधिक चोरी की घटना हो चुका है.सरकार में बैठ लोगों को बताना चाहिए बिहार में यह कौन सा राज है.

बैठक को संबोधित करने वालों में युवा राजद के जिलाध्यक्ष मो फैजुर रहमान, व्यवसायिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष बूटन साह, झूग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुमन पासवान, जिला सचिव पशुपति पासवान, बखरी प्रखंड अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव, नावकोठी प्रखंड अध्यक्ष गंगा राम महतो, हरेराम महतो, मनोहर केशरी, कैलाश सदा, सुरेन्द्र पासवान, मो नशीम, मो इकबाल, राजकुमार तांती, अजय सिंह, महावीर यादव सहित तीनों प्रखंड के पदाधिकारी,पार्टी के वरिष्ठ नेता आदि शामिल थे.

नवनियुक्त प्रधानाध्यापकों ने संभाला कार्यभार, फूल-माला व अंगवस्त्र से हुआ भव्य स्वागत

बीएनएम@ नावकोठी

प्रखंड के विभिन्न प्लस टू स्कूल एवं प्राईमरी स्कूल में नवनियुक्त प्रधानाध्यापक एवं प्रधान शिक्षकों ने आवंटित विद्यालयों में योगदान किया.उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय चकमुजफ्फर में नवनियुक्त हेडमास्टर नंदकिशोर पंडित ने योगदान किया.विद्यालय के प्रभारी हेडमास्टर इंदू कुमारी के नेतृत्व में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने फूल माला अंगवस्त्र देकर स्वागत किया. प्राइमरी स्कूल विष्णुपुर में प्रधान शिक्षक ललन कुमार ने योगदान किया.इस अवसर पर निवर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यापक धर्मशील कुमार ने अंगवस्त्र,फूल माला देकर विद्यालय प्रांगण में स्वागत किया.वहीं प्राइमरी स्कूल इनैया में नवनियुक्त प्रधान शिक्षक राजेश यादव,प्राइमरी स्कूल नाथबागर में संजीव कुमार,मनेरपुर02 में आदिल सरबर,उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजाकपुर में अरुण कुमार, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डफरपुर पश्चिम में रेखा कुमारी ने योगदान किया. प्राथमिक विद्यालय अनुसूचित जाति टोल हसनपुर बागर में कृष्ण कुमार ने योगदान दिया.वहीं प्रधान शिक्षक पद पर चयनित उत्क्रमित मध्य विद्यालय चक्का के शिक्षक प्रदोष कुमार एवं प्राइमरी स्कूल विष्णुपुर के शिक्षिका मुन्नी कुमारी को अंगवस्त्र फूलमाला इत्यादि देकर विदाई दी गयी.मौके पर इंदु कुमारी,शंभू महतो,अजय कुमार,महेश महतो,कन्हैया कुमार,खुशबू कुमारी,कमर सालेह सहित अन्य शिक्षक शिक्षिका मौजूद थे.

पुलिस ने विभिन्न मामलों में 53 वारंटों का निष्पादन करते हुए,दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

....वाहन जांच में लगाया 1 लाख 67 हजार का जुर्माना,दो गिरफ्तार

बीएनएम@ बगहा

बगहा पुलिस जिला में विधि व्यवस्था के साथ अमन चैन कायम रहे जिसको लेकर पुलिस अलर्ट मोड़ में है.इसी क्रम में पुलिस ने विगत दिन मंगलवार को विभिन्न कांडों में दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी विभिन्न थानों की पुलिस ने किया है . इस दौरान पुलिस ने 53 वारंटों का निष्पादन किया है . अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज के दिशानिर्देश में चलाए गये वाहन जांच अभियान में यातायात समेत विभिन्न थाना की पुलिस ने 1 लाख 67 हजार रुपयों का जुर्माना कुल 689 वाहनों के जांच के उपरांत लगाया गया है .

इस दौरान करीब पांच लीटर देशी चुलाई शराब बरामद किया गया है .बगहा एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि गैर सामाजिक गतिविधियों के रोकथाम के लिए जिले में लगातार सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है . इसके साथ ही लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों के गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है . शराब कारोबारी व शराबियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस निरंतर अभियान चला रही है .

बखरी में जन सुराज की अहम बैठक, 'पटना चलो' अभियान को लेकर बनी रणनीति''

विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी शिवचंद्र पासवान ने विधानसभा चुनाव को लेकर बूथ कमेटियों के गठन पर की रणनीतिक चर्चा

बीएनएम@ बखरी

(बेगूसराय) जन सुराज के कार्यकर्ताओं ने आगामी बिहार विधानसभा घेराव को सफल बनाने के उद्देश्य से जन सुराज के बखरी अनुमंडल कार्यालय परिसर में एक अहम बैठक की। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष नरेश पासवान ने की, जबकि संचालन पूर्व मुखिया जन सुराज के नेता बड़े तुफैल अहमद खान ने किया। बैठक में मुख्य रूप से "पटना चलो" अभियान को लेकर चर्चा की गई, जिसमें अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति पर जोर दिया गया। इसके साथ ही बखरी विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और बूथ कमेटियों के गठन पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम का नेतृत्व जिला प्रभारी गौतम कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर जन सुराज के बखरी विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी शिवचंद्र पासवान भी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में नीलकलम देवी, अमित कुमार सहित कई अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। जन सुराज की यह बैठक आगामी आंदोलन की रूपरेखा तय करने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

गढ़पुरा पीएचसी में डिजिटल एक्स-रे मशीन का उद्घाटन

डिजिटल एक्स–रे मशीन की सुविधा शुरू, मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

बीएनएम@ गढ़पुरा

बेगूसराय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीएचगढ़पुरा में मंगलवार को आधुनिक डिजिटल एक्स-रे मशीन की शुरुआत की गई। इस सुविधा का उद्घाटन बीस सूत्री कार्यक्रम के प्रखंड अध्यक्ष कमल किशोर झा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. निहाल फारूक तथा समाजसेवी विकास सिंघानिया ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर कमल किशोर झा ने कहा, "अब मरीजों को एक्स-रे के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। अस्पताल में ही डिजिटल एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध हो गई है, जिससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि इलाज में भी तेजी आएगी।" उन्होंने डॉ. निहाल फारूक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस सुविधा को शुरू कराने में उनकी अहम भूमिका रही है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. निहाल फारूक ने कहा कि पीएचसी को सशक्त और मरीजों के लिए अधिक उपयोगी बनाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।बीएचएम मनीष कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं समाजसेवी विकास सिंघानिया ने कहा, "अब तक एक्स-रे मशीन न होने की वजह से मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। उन्हें सदर अस्पताल या निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ता था, जिससे समय और पैसा दोनों की बर्बादी होती थी।"इस मौके पर प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार, लिपिक अमित कुमार, एक्स-रे टेक्नीशियन राकेश कुमार, तथा स्टाफ नर्स पुष्पम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी उपस्थित रहे।

प्रखंड स्तरीय क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम@ नावकोठी

बेगूसराय प्रखंड स्तरीय क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन एपीएस प्लस टू स्कूल नावकोठी में मंगलवार को आयोजित किया गया.इसका उद्घाटन बीईओ अनिल कुमार चौधरी ने किया. इसमें बदलते बिहार एवं प्रगतिशील बिहार विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया. इसमें उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा मध्य विद्यालय स्तर पर दो समूहों में बांटा गया था. विभिन्न स्कूल के छात्र, छात्राओं ने हिस्सा लिया.माध्यमिक स्तर में एपीएस प्लस टू स्कूल नावकोठी की आकृति कुमारी प्रथम रही तो बीएस प्लस टू स्कूल पहसारा बभनगामा के रामकृष्ण कुमार ने द्वितीय मुकाम हासिल किया.मध्य विद्यालय स्तर में मवि पहसारा बभनगामा की अनोखी कुमारी प्रथम रही तो इसी विद्यालय की पूनम कुमारी ने द्वितीय रही.निबंध लेखन प्रतियोगिता में बीएस प्लस टू स्कूल पहसारा बभनगामा की तान्या रश्मि प्रथम अपग्रेड प्लस टू स्कूल अकहा ररिऔना के आदित्य कुमार द्वितीय स्थान पर रहे. मध्य विद्यालय स्तर में मध्य विद्यालय पहसारा बभनगामा की ब्यूटी कुमारी प्रथम, अपग्रेड मिडिल स्कूल चक्का की ईशा कुमारी द्वितीय रही.चित्रांकन में ग्रुप 02 की एपीएस प्लस टू स्कूल नावकोठी की आरती कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, साक्षी कुमारी प्रथम, ग्रुप 01 की मनीषा, नेहा, शिवानी, सूर्या, छोटी कुमारी द्वितीय स्थान पर रही. मध्य विद्यालय स्तर में मध्य विद्यालय पहसारा बभनगामा की खुशी कुमारी प्रथम तथा अपग्रेड मिडिल स्कूल चक्का की सुमन कुमारी द्वितीय स्थान पर रही.सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर हौसला आफजाई किया गया.मौके पर हेडमास्टर सरोज कुमार, गणेश झा, अनुप्रिया, राम सुजान सिंह, शंभू महतो, अरूण कुमार मालाकार, अमित कुमार आदि मौजूद थे.

एक पेड़ मां के नामः नगर परिषद बगहा के द्वारा वार्ड नंबर 17 में किया गया पौधारोपण

बीएनएम@ बगहा

अन्तर्राष्ट्रीय अभियान में चिन्हित स्थलों पर नगर परिषद बगहा द्वारा पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत कराया जा रहा है पौधारोपण, कार्यपालक पदाधिकारी सरोज कुमार बैठा के निर्देशन में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत वार्ड नंबर 17 में स्थित प्रखंड एवं अंचल कार्यालय बगहा 1के प्रांगण में दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की दीदियों के द्वारा पौध रोपित किया गया।इस अवसर पर सभापति पुष्पा गुप्ता,उप सभापति रश्मी रंजन, कार्यपालक पदाधिकारी सरोज कुमार बैठा, प्रखंड विकास पदाधिकारी बगहा 1 प्रदीप कुमार ,अंचलाधिकारी नर्मदा श्रीवास्तव,उप ब्लाक प्रमुख सर्वजीत पटेल एवं वार्ड पार्षद प्रतिनिधि जितेंद्र कुशवाहा की गरिमा मयी उपस्थिति रही। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आज पौधरोपण का शुभारम्भ सभापति पुष्पा गुप्ता, उपसभापति रश्मि रंजन , कार्यपालक पदाधिकारी सरोज कुमार बैठा, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार, अंचलाधिकारी नर्मदा श्रीवास्तव,उप ब्लाक प्रमुख सर्वजीत पटेल एवं वार्ड पार्षद प्रतिनिधि जितेंद्र कुशवाहा द्वारा पौध रोपित करके किया गया।

पौधरोपण से पूर्व कार्यपालक पदाधिकारी सरोज बैठा ने समूह की दीदियों और उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी और इस अंतर्राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने का अनुरोध किया।सभापति पुष्पा गुप्ता ने पर्यावरण को सुरक्षित करने में एक पेड़ मां के नाम अभियान की अहम् भूमिका बताते हुए समूह की दीदियों और उपस्थित लोगों से इस अभियान का हिस्सा बनने की अपील ।इस क्रम मे उप सभापति रश्मी रंजन के द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा की बात रखते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपित पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी समूह की दीदियों के साथ साथ यहां रह रहे लोगों की भी नैतिक जिम्मेदारी की बात कही ।

साथ ही उपस्थित लोगों से इस अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्य का हिस्सा बनने की अपील की। प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भारत सरकार के इस अभियान को अच्छी पहल बताई और उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील किया कि अभियान के तहत रोपित पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी सबकी है।इस क्रम में अंचलाधिकारी नर्मदा श्रीवास्तव ने एक पेड़ मां के नाम अभियान को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भारत सरकार का सराहनीय क़दम बताया।वार्ड पार्षद प्रतिनिधि जितेंद्र कुशवाहा ने नगर परिषद बगहा के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्रम में ब्लाक प्रांगण में आयोजित एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम को एक अनूठी पहल बताते हुए काफी सराहना की और पौधों की सुरक्षा और देखभाल की नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए उपस्थित समूह की दीदियों और उपस्थित आम जनमानस से अनुरोध किया कि पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए रोपित पौधों की समुचित देखभाल आवश्यक है।इस क्रम में नगर मिशन प्रबंधक विनोद कुमार सिंह ने पौधारोपण करने वाली समूह की दीदियों को एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत रोपित पौधों को बेटा और समूह की दीदियों को मां का दर्जा देते हुए अपने बेटे जैसा पौधों की देखभाल करने का अनुरोध किया गया।इस क्रम में सभी उपस्थित गणमान्य लोगों एवं के बीच नगर मिशन प्रबंधक के द्वारा एक पेड़ मां के नाम का नारा लगाते हुए समूह की दीदियों को संकल्प दिलाया गया। वार्ड नंबर 17में स्थित ब्लाक बगहा 1प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत समूह की दीदियों के द्वारा 30 पौध रोपित किए गया। जिसमें आम,अमरूद, जामुन,नीम , आंवला आदि पेड़ शामिल हैं। इस अभियान में सामुदायिक संगठक प्रियंका द्विवेदी के द्वारा समूह की दीदियों से पर्यावरण संरक्षण की जानकारी देते हुए समन्वय स्थापित कर महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। आज के पौधरोपण कार्यक्रम में सामुदायिक संसाधन सेवी रुबी कुमारी, ममता कुमारी सुपरवाइजर रविन्द्र कुमार , अवधेश कुमार , सफाई साथी दीक्षा आदि के द्वारा उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया।

आतंकवाद से निपटने विशेषज्ञों का जोर

आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई देशों के दरम्यान क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने जोर दिया। नेपाल अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सहभागिता संस्थान की तरफ से आयोजित 'दक्षिण एशिया में आतंकवाद : क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए चुनौतियां विषयक संगोष्ठी में यह कहा गया। सीमापार आतंकवादी गतिविधियां रोकने, धनशोधन पर अंकुश लगाने के साथ ही दक्षिण एशिया के आतंकवादी कृत्यों की निंदा की गई। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के नेपाल को पारगमन के तौर पर प्रयोग करने पर भी चिंता व्यक्त की गई। आतंकवाद केवल एशियाई देशों की विकराल समस्या नहीं है। यह वैश्विक संकट है। ताकतवर देशों से ऐसी नीतियां लागू करने को कहा जा रहा है, जिनके बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठनों से निपटा जा सके। आतंकवादियों के हमले दिनोंदिन घातक होते जा रहे हैं। वे न केवल तकनीकी और अत्याधुनिक प्रशिक्षण देते हैं, बल्कि संगठित रूप से नौजवानों को बरगला कर संगठन में शामिल करते हैं। वैश्विक स्तर पर किए गए अध्ययन मानते हैं कि बीते छह सालों में आतंकवादी घटनाओं में 32 प्रतिशत इजाफा हुआ है। अकेले 2021 के दौरान दुनिया भर में पांच हजार से ज्यादा आतंकी घटनाएं दर्ज की गई जिनमें हजारों मासूम जानें तो जाती ही हैं, दहशत की माहौल भी बढ़ता है। ढेरों परिवार उजड़ जाते हैं। 2018-21 के दरम्यान अकेले भारत में आठ हजार के करीब जान गई। दक्षिण एशियाई देश यूं भी आर्थिक तौर पर समृद्ध नहीं हैं। यहां सीमापार उग्रवाद को रोकना बड़ी चुनौती है। खासकर भारत के लिए पाकिस्तान जैसे मुल्क में चल रहे आतंकी संगठनों से बड़ा खतरा है, जो बड़ी संख्या में आतंकियों को घुसपैठ कराने का जाल मजबूत करता रहता है। भूलना नहीं चाहिए कि आतंकियों को कानूनी भय नहीं दिखाया जा सकता। उसके लिए बगैर किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के सेना व स्थानीय पुलिस को काम करने की आजादी दी जानी जरूरी है। धनशोधन को लेकर भी पर्याप्त सतर्कता जरूरी है। जब तक आतंकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद की कड़ी नहीं तोड़ी जाती, उनके हौंसले परास्त करने में दिक्कत आती रहेगी। आतंकवादियों के प्रत्यर्पण को लेकर भी दुनिया भर की सरकार को आपसी सहमति व लचीलेपन का रुख इख्तियार करना होगा।

7/11 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट के गुनहगार कौन? पीड़ितों को न्याय कब मिलेगा ?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वो 11 जुलाई 2006 का काला दिन था, जब उन 189 लोगों ने अपने सुनहरे भविष्य की आशा के साथ तमाम सपनों को पूरा करने की जद्दोजहद के बीच मुंबई की लोकल ट्रेन में सफर किया था, उन्हें नहीं पता था कि आज का दिन भी उन्हें पूरा नसीब नहीं होनेवाला, वे अब कुछ ही समय बाद इस दुनिया को अलविदा कह देंगे। सिलसिलेवार सात बम धमाके...189 पैसेंजर मारे जाते हैं और 824 लोग बुरी तरह से घायल होते हैं। जिनमें कई वर्षों बाद आज भी अपने शरीर के अंग खोने एवं अन्य बीमारियों का भयंकर कष्ट हर रोज झेल रहे हैं। अब किससे कहें और कौन उन्हें न्याय देगा?

न्याय के मंदिर में कौन सा निर्णय सही तब या अब- पहले ही जो इस बम ब्लास्ट के आरोपी पकड़े गए थे, उनमें से एक को सबूतों के अभाव में छोड़ दिया गया था, शेष जिन 12 तत्कालीन गुनहगारों को सजा हुई, वे भी अब मुंबई हाई कोर्ट से निर्णय में यह कहते हुए बरी कर दिए गए हैं कि उनके खिलाफ शासन कोई ठोस सबूत प्रस्तुत नहीं कर पाया है। अब इससे जुड़े अनेक प्रश्न हैं जो उन तमाम 189 मृत लोगों के परिजनों के और जो जीवित रहे 824 लोग जिनमें से कई अपने शरीर के कोई न कोई अंग ब्लास्ट में खो चुके हैं, उनके और उनके परिवारजनों के मन में कौंध रहे हैं कि आखिर पहले जो निर्णय कोर्ट का दिया गया था, वह सही था या अब सही निर्णय हुआ है! सबूत तो वे ही पुराने हैं। हो सकता है समय के साथ कुछ सबूतों में क्षीणता आई होगी, किंतु उसके बाद भी जो थ्योरी एवं तत्कालीन साक्ष्य न्यायालय में प्रस्तुत किए गए थे, उनके आधार पर विशेष अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत साजिश रचने और देश के ख़िलाफ़ संगठित तरीके से अपराध करने का दोषी इन सभी आरोपियों को ठहराया था। लेकिन अब पकड़े गए 12 दोषी, दोष मुक्त हैं।

शिकायत न्यायालय से नहीं, सिस्टम से- आप सोचिए; हमारी न्याय प्रणाली और उसके संकटों को! न्यायालय की कार्यप्रणाली पर कोई व्यंग्य नहीं, कोई प्रश्न नहीं, देरी के लिए कुछ भी नहीं कहना, किसी जज से कोई शिकायत नहीं, किंतु देश के वे तमाम लोग और जिस तरह से भारत की अस्मिता इस घटना से धूमिल हुई, वह आज न्याय चाहते हैं। अपने लिए, अपने देश के लिए और उस भारतीय लोकतंत्र के लिए जो यह घोषणा करता है कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा, भले ही न्याय मिलने में देरी हो। ऐसे में जो इस बम कांड से सीधे प्रभावित हुए हैं, उनके न्याय का क्या? क्या यह कोई छोटी घटना है? जहां एक व्यक्ति के जीवन का अत्यधिक मूल्य हो, वहां फिर इस घटना में तो 189 लोगों की जान गई गई!

पहले भी नौ साल चला केस, तब आया था निर्णय- मुंबई में सात उपनगरीय यात्री ट्रेनों में हुए बम विस्फोटों का करीब नौ साल तक केस चलने के बाद स्पेशल मकोका कोर्ट ने 11 सितंबर 2015 को

फैसला सुनाया था।जिस व्यक्ति को सबूतों के अभाव में सबसे पहले बरी किया गया था वह अब्दुल वाहिद दीन मोहम्मद शेख (38) है। अब्दुल वाहिद पर पाकिस्तानी बागवानों को शरण देने का आरोप था। एक गवाह अपने बयान से पलट गया। सबूत कमजोर हो गया। अन्य जिन्हें दोषी ठहराए गया था उनमें कमाल अहमद मोहम्मद वकील अंसारी, डॉ. तनवीर अहमद मोहम्मद इब्राहिम अंसारी, मोहम्मद फैसल अताउर रहमान शेख, एहतेशाम कुतुबुद्दीन सिद्दीकी, मोहम्मद माजिद मोहम्मद शफी, शेख मोहम्मद अली आलम शेख, मोहम्मद साजिद मरगूब अंसारी, मुजम्मिल अताउर रहमान शेख, सोहेल महमूद शेख, जमीर अहमद लतीफुर रहमान शेख, नवीद हुसैन खान रशीद हुसैन खान और आसिफ खान शामिल रहे। इन पर लगे आरोपों के अनुसार, कमाल अंसारी, फैसल शेख, एहतेशाम सिद्दीकी, नवीद खान और आसिफ खान ने विस्फोटों में अहम भूमिका निभाई थी। इन लोगों को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और धारा 120बी (आपराधिक षडयंत्र) के तहत और संगठित अपराध के लिए मकोका की धारा 3 (1) (i) के तहत दोषी ठहराया गया था। दोनों कानूनों में अधिकतम सजा मौत है। वहीं, दोषियों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), विस्फोटक अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम और रेलवे अधिनियम की कई अन्य धाराओं के तहत दोषी पाया गया। कमाल अंसारी, मोहम्मद माजिद शफी और नवीद हुसैन को छोड़कर अन्य सभी को आईपीसी की धारा 124 ए के तहत राजद्रोह का दोषी ठहराया गया था।

11 मिनट में हुए थे सात प्रेशर कुकर बम ब्लास्ट- यहां ध्यान रहे कि मुंबई में 11 जुलाई 2006 को मुंबई की वेस्टर्न लाइन की लोकल ट्रेनों में शाम 6:24 से 6:35 बजे के बीच सात बम धमाके हुए थे। खार, बांद्रा, जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर रेलवे स्टेशनों के पास ये ब्लास्ट हुए। बम आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों से बनाए गए थे, जिसे सात प्रेशर कुकर में रखकर टाइमर के जरिए उड़ाया गया था। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे।

जांच में 30 नाम आए सामने, पकड़े गए 13 लोग- पुलिस की चार्जशीट में 30 आरोपी बनाए गए थे। इनमें से 13 की पहचान पाकिस्तानी नागरिकों के तौर पर हुई। एटीएस ने 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया, अन्य फरार बताए गए। एटीएस ने दावा किया कि धमाकों की साजिश लश्कर-ए-तैयबा के आजम चीमा ने पाकिस्तान के बहावलपुर में रची थी। 20 किलोग्राम आरडीएक्स गुजरात के रास्ते भारत लाया गया और उक्त घटना को अंजाम दिया गया। तत्कालीन समय में जब स्पेशल कोर्ट ने दोषियों को सजा सुनाई, तब न्यायालय के बाहर का दृश्य देखने लायक था। एटीएस टीम खुशी से झूम रही थी। एक-दूसरे का मुस्कुराते हुए अभिवादन कर रही थी और तस्वीरें खिंचवा रही थी। बम ब्लास्ट की जाँच के दौरान एंटी टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) से जुड़े सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी केपी रघुवंशी ने वहां मौजूद अधिकारियों जिनमें से कुछ अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं को गले लगाया और सभी की मेहनत सफल होने पर उन्हें बधाई दी। उस समय के एटीएस प्रमुख विवेक फणसलकर बोले थे कि "पूरे मामले को एक साथ जोड़ने के लिए सबूत इकट्ठा करने और बयान दर्ज करने में 135 अधिकारियों ने दिन-रात मेहनत की। इस फैसले से बहुत संतुष्टि मिली है।"

पीड़ित परिवार अचंभित- आप गंभीर संवेदनशील कल्पना करें और सोचें; यह दिन उन 189 पीड़ितों के परिवारों के लिए कितना अधिक भावुक दिन रहा होगा! नंदिनी जोकि 27 साल की थी, 11 जुलाई 2006 को बोरीवली स्टेशन पर हुए धमाके में मारी गई, उसके पिता रमेश नाइक ने न्याय के लिए लगातार लड़ाई लड़ी। पहले जब निर्णय आया था तब परिवार खुश था कि चलो बेटी को इंसाफ मिला, पर आज इंसाफ की लड़ाई लड़नेवाला ये परिवार अपने को टूटा महसूस कर रहा है। हेमलता दिल्लौद के पिता की मीरा रोड और भयंदर के बीच ट्रेन में बम विस्फोट से मृत्यु हो गई थी, तब वे 18 साल की थीं। उन्हें सरकार ने पश्चिम रेलवे में मलाड स्टेशन पर चपरासी की नौकरी दे दी जोकि निर्णय आनेवाले दिन तक भयंदर में बुकिंग क्लर्क हो गई थीं, जैसे ही उन्हें न्यायालय के इस फैसले की जानकारी लगी वे फूट-फूट कर रो रही थीं, इनका कहना रहा कि "इन लोगों को फांसी होनी चाहिए थी। मैंने अपने पिता को सिर्फ 40 साल की उम्र में खो दिया था। उनके परिवारों को भी उनकी कमी खलनी चाहिए।" हेमलता दिल्लौद और रमेश नाइक की तरह हर किसी पीड़ित परिवार की अपनी दुख भरी कहानी है। ये सभी परिवार न्याय की वेदी पर अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। कई इस नए निर्णय आने के बाद रो पड़े हैं। वास्तव में ये दर्द सिर्फ एक परिवार का नहीं है। ये पीड़ा उन सभी परिवारों की है, जोकि किसी न किसी रूप में इस आतंकी घटना से प्रभावित हुए।

इस एक निर्णय ने बदल दिए , सभी मायने- अब ये नया फैसला घटना के 19 साल बाद आया है, जिसने एक झटके में जैसा कि एटीएस का दावा था कि 135 अधिकारियों ने दिन-रात मेहनत के बाद आरोप सिद्ध हो पाए और दोषियों को सजा हुई, आज वह मेहनत सब बेकार हो चुकी है।

आ गया भस्म, डमरू और त्रिनेत्रधारी शिव की अर्चना का पुण्यकाल

योगेश कुमार गोयल

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है। यह सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस दिन भगवान शिव अथवा शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है, क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरुषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और

तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराइयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी मां गंगा हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण की आंच से तपने लगा पश्चिम बंगाल

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। विपक्ष लगातार एसआईआर का विरोध कर रहा है। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में भी एसआईआर के विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। एसआईआर का मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अभियान की टाइमिंग को लेकर प्रश्न अवश्य उठाए हैं। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। पश्चिम बंगाल में जहां तृणमूल कांग्रेस एसआईआर को लेकर बेचैन है तो वहीं कांग्रेस असम को लेकर चिंतित है। गैर भाजपशासित कई राज्यों से विरोध की आवाज उठने लगी है। हालांकि विरोध का सबसे ऊंचा स्वर पश्चिम बंगाल से सुनाई दे रहा है, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे। बीती 21 जुलाई को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में एसआईआर जैसी कवायद करने की योजना बना रही है, इसे कभी अनुमति नहीं दी जाएगी। वास्तव में, ममता के निशाने पर भारतीय जनता पार्टी है। एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र का विषय है। सब कुछ जानते बूझते हुए भी ममता एसआईआर को लेकर भाजपा पर राजनीतिक बाण चला रही हैं। भला एसआईआर करवाने या न करवाने से भाजपा का क्या संबंध? सोचिए, पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभी शुरू भी नहीं हुआ और ममता बनर्जी ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। इसी से तृणमूल कांग्रेस की बेचैनी को समझा जा सकता है। ममता बनर्जी का सार्वजनिक मंच से यह कहना कि पश्चिम बंगाल में एसआईर्आर की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीधे तौर पर चुनाव आयोग को धमकी के साथ संविधान और संवैधानिक संस्था का अपमान भी है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के मन में आदर का भाव बचा ही नहीं है। सीबीआई के अधिकारियों को बंधक बनाने से लेकर ईडी के अधिकारियों पर प्राणघातक हमले में प्रदेश सरकार और तृणमूल कांग्रेस की भूमिका जगजाहिर है। अभी हाल ही में संसद द्वारा पारित वक्फ बिल के विरोध में ममता ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होने देंगे। भला कोई संविधान के तहत निर्वाचित सरकार और मुख्यमंत्री ऐसे कैसे गैरजिम्मेदाराना संविधान विरोधी बयानबाजी कर सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार ने नियम कानून और संविधान को शायद खूंटी पर टांग रखा है। ममता बनर्जी एसआईआर को एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से भी ज्यादा खतरनाक बता चुकी हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने बीती 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण "पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है।' संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन किया है। तृणमूल कांग्रेस के अलावा कांग्रेस, राजद, सपा और विपक्ष के अन्य दल इस विरोध में शामिल हैं। राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि पिछले 14 वर्षों में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में व्यवस्थित रूप से घुसपैठ कराई है। बीते मार्च पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को ऑडिट और मतदाता सूची संशोधन की जरूरत से अवगत कराते हुए बताया था कि पश्चिम बंगाल में 13 लख से अधिक फर्जी मतदाता हैं। बीते जून को भाजपा ने दावा किया कि बंगलादेश से जुड़े कोटा सुधार आंदोलन के नेता न्यूटन दास का नाम काकद्वीप विधानसभा इलाके के वोटर लिस्ट में है। तृणमूल ने आरोपों से इनकार किया है। बीते दिनों मालदा जिले के गाजोल के एक गांव में ऐसा मामला सामने आया है, जहां इलाके में एक भी अल्पसंख्यक व्यक्ति नहीं रहता, वहां दो अपरिचित और कथित अल्पसंख्यक वोटरों के नाम नये मतदाता सूची में शामिल पाये गये हैं। इसे लेकर भाजपा विधायक चिन्मय देव बर्मन ने अवैध घुसपैठ और फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप लगाया है। बीती जून को सिलीगुड़ी में फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने किया था। राज्य में अलग-अलग क्षेत्रों से फर्जी वोटर मामले सामने आने के कारण राजनीतिक माहौल और गर्माया हुआ है। ममता बनर्जी ने 'फेक वोटर' की पहचान के लिए एक समिति भी बनाई है। जानकार मानते हैं कि दिल्ली की जीत के बाद भाजपा की नजर 2026 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को पछाड़ने पर है। दिल्ली चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और वो अधिक मजबूती से ममता बनर्जी को चुनौती देने की कोशिश करेगी। ममता बनर्जी भी जमीनी सच्चाई और आने वाले राजनीतिक खतरों को बखूबी भांप रही है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज कुछ लोग आपसे किसी विषय पर राय मांग सकते हैं, आप उनकी हेल्प करेंगे। आज आप पारिवारिक माहौल को खुशनुमा बनाने का प्रयास करेंगे। साथ ही जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। किसी को दिया हुआ धन आज आपको वापस मिलेगा, जिसका उपयोग आप बिजनेस में कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आप दिन की शुरुआत किसी नेक काम के साथ करेंगे। आज आपके व्यवहार में थोड़ा लचीलापन आएगा, आप लोगों के साथ विनम्रता से बात करेंगे। आज जरूरी कार्यों को पूरा करने का दिन हैं, इसलिए अपने आलस्य को त्यागकर काम में जुट जाएं। जिन व्यक्तियों के सरकारी कार्यों में रुकावट आ रही थी, आज वो किसी की मदद से पूरे हो जायेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहेगा। व्यापार में लेन–देन करते समय डॉक्यूमेंट अच्छे से चेक कर लें, जिससे बाद में कोई कंफ्यूजन न हो। स्पोर्ट्स खेलने वालों को आज कोच का साथ मिलेगा, जिससे उनकी खेलने की क्षमता में परिपक्वता आयेगी। आज आप अपने घर में फर्नीचर का काम शुरू करवा सकते हैं, जिससे घर की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन नई संभावनाएं लेकर आया हैं, जिनका लाभ उठाकर आप जीवन में तरक्की कर सकते हैं, जिन लोगों को रोजगार की तलाश है, उनको आज किसी संस्था में काम करने का मौका मिलेगा, जो लोग एक्टिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो आज आपको सुनहरे अवसर मिलने के संकेत बन रहे हैं। आज आप समय निकालकर थोड़ा वक्त परिवार और बच्चों के साथ बिताएंगे, आपको अच्छा लगेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए मिला–जुला रहेगा, जो व्यक्ति किसी रोजगार की तलाश में हैं, आज उनको किसी के माध्यम से काम मिलेगा। इस राशि के कला और लेखन के क्षेत्र से जुड़े हुए व्यक्तियों को आज मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आज जीवनसाथी के साथ किसी विशेष मुद्दे पर बात होगी, वो बच्चों के भविष्य से भी जुड़ी हो सकती है।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। कुछ दिनों से चल रही माता-पिता की नाराजगी, आज आपसे खत्म होगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेसमैन आज कोई जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा, आपकी टेंशन ख़त्म होंगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बढ़िया धन लाभ होगा, भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। परिवार में खुशियाँ आएंगी, आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर आपको नॉवेल पढ़ने का शौक है, तो आज आप अच्छी बुक पढ़ सकते हैं। आज किसी जिम्मेदारी का निर्वहन आप बहुत अच्छे से करेंगे, जिससे आपकी तारीफ होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन व्यस्तताओं से भरा रहेगा। प्राइवेट नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों को आज दुगुना काम करना पड़ सकता है, लेकिन किसी सहयोगी से मदद भी मिलेगी। इस राशि की महिलाएं आज अपने मनपसंद कार्य को करने में वक्त व्यतीत करेंगी, जिससे उनको ख़ुशी मिलेगी।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल होगा। जो व्यक्ति होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर चुके हैं, आज वो अपना होटल ओपन करने का विचार कर सकते हैं। आज आपको किसी काम के सिलसिले में दूसरे शहर जाना पड़ सकता हैं, जिसकी वजह से थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। आज आपको व्यापारिक दृष्टी से बढ़िया धन लाभ होगा , आपके व्यावसायिक रिश्ते भी अच्छे रहेंगे। मैन्यूफैक्चरिंग करने वालों को आज बड़ा ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं, जिससे वे अपने काम को बड़े स्तर पर कर पाएंगे। आज काम के बाद आप परिवार के साथ बैठकर कुछ समय बितायेंगे, जिससे मन को सुकून मिलेगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन आप अपने हिसाब से बिताएंगे। आज आपको अधिकतर कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे आप अन्य कार्यों पर भी ध्यान दे पायेंगे। इस राशि के जो लोग सामाजिक कार्यों में रुचि रखते हैं, उनको किसी एनजीओ से जुड़कर काम करने का अवसर मिलेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपकी कारोबारी गतिविधियाँ सुचारू रूप से चलती रहेंगी, आज कम मेहनत में ज्यादा लाभ मिलेगा। आज आप फैमिली के साथ कहीं पिकनिक मनाने जा सकते हैं, बच्चों को भी ख़ुशी मिलेगी। आज आपको किसी कोर्ट केस में बड़ी राहत मिलने की संभावना बन रही है, जिससे आपकी उलझन दूर होगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारतीय टीम ओल्ड ट्रेफर्ड में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी

मैनचेस्टर। भारतीय टीम यहां के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में भारतीय टीम की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उसे यहां आज तक एक भी जीत नहीं मिली है। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर है जिसका नुकसान भी उसे उठाना पड़ेगा हालांकि इसके बाद भी टीम जीत दर्ज करने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। युवा कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम का लक्ष्य इस मैदान पर पहली जीत दर्ज कर इससे जुड़े हार के मिथक को तोड़ना रहेगा। इसके लिए टीम को अपनी रणनीति में भी थोड़ा बदलाव करना होगा। लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नीतीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब इस मैच और सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी पूरी करनी होगी। वहीं रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रहने से भारतीय टीम के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाजी रहेगी।

इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस सीरीज में अपनी उम्मीदें बनाये रखनी हैं तो उसे यहां जीत हासिल करनी होगी। सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस मैच में रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है हालांकि इस बार उनकी बल्लेबाजी लय में नजर नहीं आ रही। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाजी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में दबाव के बीच में विकेट लिए थे। भारतीय टीम इस मैच में लीड्स के संयोजन को एक बार फिर आजमा सकती है, जिसमें उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें बल्लेबाज करुण नायर और साई सुदर्शन को भी अंतिम ग्यारह में जगह मिली थी। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और कवर के तौर पर शामिल नए तेज़ गेंदबाज़ अंशुल कंबोज को भी अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है। आकाश की तरह ही कंबोज भी तेज गेंदबाजी करते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां के हालातों को जानते हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है। लॉर्ड्स में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे, इसलिए अगर टीम को वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन और अन्य बल्लेबाजों को बड़ी पारियां खेलनी होंगी। इस मैच में बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। आर्चर ने चार साल बाद वापसी करते हुए यशस्वी को दो बार आउट किया। इसके अलावा इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को ये सिलसिला बनाये रखना होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं जो टीम के लिए राहत की बात है। इस मैच में अगर करुण नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह बड़ी पारी खेलने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे।

लॉर्ड्स में गिल के तेवरों पर रिकी पोंटिंग ने कहा- यह शुभमन के स्वभाव से थोड़ा हटकर था

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स में रोमांच और ड्रामे से भरपूर रहा। हालांकि भारत यह टेस्ट मैच महज 22 रनों से हार गया, लेकिन मुकाबले में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का आक्रामक रूप हर किसी की नजरों में आ गया। दरअसल, तीसरे दिन का खेल खत्म होने से ठीक पहले भारत ने इंग्लैंड की पहली पारी के 387 रन की बराबरी कर ली थी और अंतिम छह मिनट में दो ओवर फेंकने की योजना बनाई थी, लेकिन इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों जैक क्रॉली और बेन डकेट ने मैदान पर उतरने में देरी की, जिससे गिल नाराज हो गए। मैदान पर गिल और क्रॉली के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसमें बाद में डकेट भी शामिल हो गए। गिल का यह गुस्सा और आक्रामक रुख कई लोगों के लिए हैरान करने वाला था। इनमें ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग भी शामिल हैं। पोंटिंग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को दिए बयान में कहा, "यह शुभमन के स्वभाव

से थोड़ा हटकर था, जैसा मैं उन्हें जानता हूं। मुझे यकीन है कि जो लोग उन्हें करीब से जानते हैं, वे भी कहेंगे कि वह आमतौर पर ऐसे नहीं होते।" हालांकि उन्होंने गिल का समर्थन करते हुए कहा कि यह उनके कप्तान के रूप में नेतृत्व करने का तरीका था। उन्होंने कहा, "यह एक कप्तान का अपने खिलाड़ियों के लिए खड़ा होना था। वह दिखाना चाहते हैं कि अब यह उनकी टीम है और हम इस तरह क्रिकेट खेलेंगे। शायद यह भी था कि वह विपक्ष को जवाब देना चाहते थे।" पोंटिंग, जो इंग्लैंड में चार बार टेस्ट सीरीज खेल चुके हैं (2005 और 2009 में कप्तान के रूप में), ने कहा कि इंग्लैंड में खेलना मानसिक रूप से काफी कठिन हो सकता है। उन्होंने कहा, "यूके एक मुश्किल जगह हो सकती है, खासकर तब जब सीरीज हाई-प्रोफाइल हो। वहां की भीड़ बहुत जुनूनी होती है, लेकिन उतनी ही उग्र भी। मीडिया का दबाव भी बहुत होता है – खासकर जब भारत और इंग्लैंड जैसे बड़े प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने हों।" पोंटिंग ने गिल की तुलना पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली से करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि गिल अब टीम पर अपनी छाप छोड़ना शुरू कर रहे हैं, बिल्कुल वैसे ही जैसे विराट करते थे। रोहित शर्मा वैसे कभी विपक्षी खिलाड़ियों के खिलाफ ज्यादा आक्रामक नहीं दिखते थे, हालांकि वे अपने खिलाड़ियों से तीखे अंदाज में पेश आ सकते थे लेकिन गिल का मैदान पर खड़ा होना देखना अच्छा लगा।" फिलहाल पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट में आमने-सामने होंगी। गिल की कप्तानी और तेवरों पर अब सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

कार्लोस अल्कराज ने कनाडाई ओपन से नाम वापस लिया

मॉन्ट्रियल। दुनिया के नंबर दो टेनिस खिलाड़ी और पांच बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने अगले हफ्ते टोरंटो में होने वाले एटीपी कनाडाई ओपन से नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अल्कराज ने विंबलडन फाइनल में टॉप रैंक खिलाड़ी जैनिक सिनर से हार का सामना किया था। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी अल्कराज ने कहा, "मुझे नेशनल बैंक ओपन (एटीपी कनाडाई ओपन)में हिस्सा नहीं ले पाने का बहुत दुख है। मैंने पूरी कोशिश की टूर्नामेंट के लिए तैयार रहने की, क्योंकि यह मेरे पसंदीदा टूर्नामेंटों में से एक है, लेकिन विंबलडन के बाद रिकवरी में मुझे और समय चाहिए। मैं आयोजकों को शुभकामनाएं देता हूं और अगले साल

कनाडा में खेलने की उम्मीद करता हूं।" अल्कराज का कनाडा में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में रहा था, जब वह क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल से हार गए थे। टूर्नामेंट डायरेक्टर कार्ल हेल ने कहा, "कार्लोस जैसे खिलाड़ी का टूर्नामेंट से हटना निराशाजनक है, क्योंकि फैंस उन्हें खेलते हुए देखना चाहते थे। हालांकि वह काफी समय से प्रो टूर पर हैं, लेकिन उनका करियर अभी भी शुरुआती दौर में है। आने वाले वर्षों में उन्हें कनाडा में खेलने के और मौके मिलेंगे।"

चाइना ओपनः पांच मैच प्वाइंट बचाकर प्रणय दूसरे दौर में, लक्ष्य सेन की हार

चांगझोऊ। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में रोमांचक जीत दर्ज करते हुए जापान के कोकी वतनबे को हरा दिया। पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी और 2023 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट प्रणय ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी की और पांच मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबला 8-21, 21-16, 23-21 से अपने नाम किया। पहले गेम में प्रणय पूरी तरह आउट ऑफ फॉर्म नजर आए और वतनबे ने 21-8 से गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में प्रणय ने तेज मूवमेंट और सटीक नियंत्रण के दम पर वापसी करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में प्रणय शुरुआत में 2-11 से पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने लगातार पांच अंक लेकर मुकाबले में वापसी की। इसके बावजूद वह 15-20 से पीछे थे और विपक्षी खलिाड़ी के पास पांच मैच प्लाइंट थे, लेकिन प्रणय ने जबरदस्त संयम दिखाते हुए सभी मैच प्वाइंट बचाए और 21-20 की बढ़त लेकर अंततः 23-21 से मैच अपने नाम कर लिया। जीत के बाद प्रणय ने कहा, "मेरे करियर के इस

पड़ाव पर हर जीत मायने रखती है। लंबे ब्रेक के बाद दोबारा टूर पर लौट कर अच्छा लग रहा है। अब हर राउंड जीतना पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है।" उन्होंने कहा, "अब पुरुष एकल में औसत उम्र 22-23 साल हो गई है। बहुत से नए चेहरे आ चुके हैं, जिनके खेल को समझना आसान नहीं होता। सीनियर खिलाड़ी के रूप में यह और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।"

लक्ष्य सेन और अनुपमा उपाध्याय को मिली हार- दूसरी ओर, लक्ष्य सेन का खराब फॉर्म जारी रहा। उन्होंने चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ली शि फेंग के खिलाफ पहला गेम जीतने के बाद भी मैच गंवा दिया। उन्हें 21-14, 22-24, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में भारत की अनुपमा उपाध्याय भी पहले ही दौर में बाहर हो गईं। उन्हें चाइनीज ताइपे की लिन हसियांग ती के खिलाफ 23-21, 11-21, 10-21 से हार मिली।

मिश्रित युगल जोड़ियों की भी हार- मिश्रित युगल वर्ग में भारत की ए सूर्य और ए प्रमुतेश तथा रोहन कपूर और रुत्विका गड्डे की जोड़ियों को भी पहले राउंड में हार झेलनी पड़ी।

अनुभवी खिलाड़ी होने की अपनी जिम्मेदारी निभा रहे जडेजा

मुम्बई। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने अपने करियर में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और उनके नाम कई उपलब्धियां भी हैं पर इसके बाद भी उन्हें वह दर्जा नहीं मिला जिसके वे अधिकारी रहे हैं। इंग्लैंड दौर पर वह सबसे अधिक अनुभवी खिलाड़ी है। ऐसे में उन्होंने अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभाई है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे खिलाड़ियों के दौर में खेलने के बाद भी उन्होंने अपनी एक अलग जगह बनायी थी। वहीं इनके संन्यास लेने के बाद वह टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इंग्लैंड के इस दौरे में हालांकि उनकी गेंदबाजी सफल नहीं रही पर बल्लेबाजी से उन्होंने वह कमी पूरी कर दी। पिछले दिनों जब कप्तानी को लेकर सवाल किये गये तो उन्होंने

मजाकिया अंदाज में कहा कि अब कप्तानी का समय अब चला गया। उन्होंने बर्मिंघम में 89 और 69 रन की अर्धशतकीय पारियों से टीम की जीत अहम योगदान दिया तो वहीं अगले टेस्ट में दो और अर्धशतक जड़े। लॉर्ड्स में वह अकेले ही टीम को लक्ष्य तक ले जाने के प्रयास में लगे रहे। उनका 61 रन का नाबाद स्कोर भारत को जीत के करीब ले गया। वह अभी भी सर्वश्रेष्ठ फील्डर हैं और गेंदबाजी भी उनकी अच्छी रही है हालांकि उन्हें विकेट नहीं मिला।

व्यापार

मामूली कमजोरी के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों को 1.39 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज दबाव में कारोबार करने के बाद मामूली कमजोरी के साथ सपाट स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी और सेंसेक्स की चाल में थोड़ी और तेजी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। शेयर बाजार की चाल में आज पूरे दिन लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। दिनभर का कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स कमजोरी के साथ बंद हुए। पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 458.50 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.89 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,198 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,784 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,236 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 178 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,665 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,135 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,530 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान

में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 327.09 अंक की तेजी के साथ 82,527.43 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 337.83 अंक की मजबूती के साथ 82,538.17 अंक तक पहुंचा। इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही सेंसेक्स लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से दोपहर 12 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 425 अंक से अधिक टूट कर 89.71 अंक की कमजोरी के साथ 82,110.63 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे कारोबारी सत्र में खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में कुछ देर के लिए मजबूती का रुख भी बनता हुआ दिखा, लेकिन ये मजबूती अधिक देर तक नहीं टिक सकी। इसके बाद बिकवालों ने दोबारा दबाव बना दिया, जिसके कारण सेंसेक्स 13.53 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 82,186.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 75.95 अंक उछल कर 25,166.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक उछल कर 25,182 अंक तक पहुंच गया। इसके कुछ मिनट बाद ही चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से निफ्टी ऊपरी स्तर से 145 अंक से अधिक फिसल कर 55.15 अंक की कमजोरी के साथ 25,035.55 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से निफ्टी निचले स्तर से 25 अंक से अधिक की रिकवरी करके 29.80 अंक की गिरावट के साथ 25,060.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल 10.34 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.46 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 1.15 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.08 प्रतिशत और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 0.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

सोने की कीमत में मामूली तेजी, चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली तेजी है। वहीं चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये से लेकर 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,810 रुपये से लेकर 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना

1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अकासा एयर के बेड़े में 2032 तक होंगे 226 विमानः अंकुर गोयल

नई दिल्ली। भारत की सबसे तेजी से बढ़ने वाली एयरलाइन अकासा एयर ने 2032 तक अपने विमानों के बेड़े की संख्या को 30 से बढ़ा कर 226 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अकासा एयर ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में 49 फीसदी राजस्व वृद्धि और 50 फीसदी मार्जिन सुधार दर्ज किया है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अंकुर गोयल ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अकासा एयर ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 49 फीसदी राजस्व वृद्धि और 50 फीसदी मार्जिन सुधार दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि

एयरलाइन की योजना इस अवधि के दौरान सालाना 25 से 30 फीसदी क्षमता जोड़ने की है। अंकुर गोयल ने बताया कि बढ़ती लाभप्रदता, 27 विमानों और 1.6 करोड़ से ज्यादा यात्रियों की सेवा के साथ एयरलाइन ने दीर्घकालिक विकास और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त कर रही है। उन्होंने कहा कि अकासा एयर ने इस साल 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए मजबूत राजस्व वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन का लागत नेतृत्व पर स्थिर ध्यान के साथ-साथ राजस्व सृजन और परिचालन दक्षता के लिए अनुशासित दृष्टिकोण ने इसे वित्तीय मापदंडों में मजबूत वृद्धि दर्ज करने में सक्षम बनाया है, जिससे ये एयरलाइन लाभप्रदता की एक सफल पथ पर अग्रसर है। अंकुर गोयल ने कहा कि एयरलाइन लागत पर ध्यान दे रही है। अकासा एयर ने 226 बोइंग 737 मैक्स विमानों के ऑर्डर दिए हैं। इनमें से 30 विमानों का वर्तमान में कंपनी की ओर से परिचालन किया जा रहा है। गोयल ने कहा कि विमानन कंपनी का लक्ष्य 2032 तक बेड़े में 226 विमान रखना है। उन्होंने आगे कहा कि अगले सात वर्षों में हमारा लक्ष्य सालाना क्षमता में 25 से 30 फीसदी की वृद्धि का है। अकासा एयर की शुरुआत 2022 में हुई थी। वर्तमान में 30 बोइंग 737 मैक्स विमानों के बेड़े के साथ यह 23 घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानों का परिचालन करती है।

डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया, अन्य मुद्राओं की तुलना में भी आई गिरावट

नई दिल्ली। स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा जमकर की गई बिकवाली के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में गिरावट के साथ बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 5 पैसे फिसल कर 86.36 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 86.31 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की मजबूती के साथ 86.25 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया और 3 पैसे उछल कर 86.22 के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद

स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली शुरू करके डॉलर की निकासी शुरू कर दी। ऐसा होने पर मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ गई, जिससे रुपये पर भी दबाव बढ़ गया। डॉलर की मांग तेज होने पर रुपया ऊपरी स्तर से 20 पैसे फिसल कर 11 पैसे की कमजोरी के साथ 86.42 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपये की स्थिति में मामूली सुधार हुआ और भारतीय मुद्रा ने निचले स्तर से 6 पैसे की रिकवरी करके 86.36 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। कैपेक्स गोल्ड एंड इंवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का मानना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार से अपने पैसे की निकासी के साथ वैश्विक बाजार में जारी उथल-पुथल ने आज भारतीय मुद्रा को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाई। उनके अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत आज मामूली गिरावट आई है, इसके बावजूद मार्केट एक्सपर्ट्स के बीच इसकी कीमत में जल्दी ही तेजी आने की आशंका बनी हुई है। कीमत में तेजी आने की इस आशंका का असर आज मुद्रा बाजार में डॉलर की कीमत में तेजी के रूप में भी नजर आ रहा है। भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर के साथ ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी आज कमजोर प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 42 पैसे की कमजोरी के साथ 116.56 के स्तर पर लुढ़क गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 61 पैसे की गिरावट के साथ 101.10 के स्तर तक पहुंच गया।

राम चरण का बीस्ट मोड ऑन... फिल्म पेड्डी में दिखेगा एक नया दमदार अवतार

तेलुगु सुपरस्टार राम चरण इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म पेड्डी की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। आज उन्होंने सोशल मीडिया पर एक जिम की तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका नया मस्कुलर लुक दिख रहा है। राम की शानदार तस्वीर को देखने के बाद सेलेब्स और फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। आज इंस्टाग्राम पर राम चरण ने अपनी टोन्ड बाइसेप्स फ्लॉन्ट करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है, जो उनकी फिल्म पेड्डी के शूटिंग के दौरान की है। इस तस्वीर के साथ राम ने कैप्शन लिखा, पेड्डी के लिए बदलाव शुरू! शुद्ध धैर्य, सच्चा आनंद। उनकी घनी दाढ़ी और मैन बन हेयरस्टाइल ने प्रशंसकों का ध्यान खींचा। उनका यह तस्वीर अब सोशल मीडिया पर सेलेब्स और फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर डब्बू रतनानी ने राम की इस पोस्ट पर फायर इमोजी बरसाए हैं। वहीं मिर्जापुर सीरीज से रातों रात प्रसिद्धि हासिल कर चुके दिव्येंदु शर्मा ने लिखा, बूम। सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट आलिम खान ने फायर इमोजी बनाए हैं। वहीं राम के फैंस ने भी उनके इस शानदार लुक पर कई दिलचस्प कमेंट किए हैं। एक फैन ने लिखा, बॉक्स ऑफिस धमाका, एक और फैन ने लिखा, बीस्ट मोड सक्रिय, एक और फैन ने लिखा, बहुत बढ़िया, एक और फैन ने लिखा, जबरदस्त, एक फैन ने लिखा, ब्लॉकबस्टर आने वाला है, एक और फैन ने लिखा, पेड्डी के साथ धमाकेदार वापसी फिल्म पेड्डी राम चरण की फिल्म पेड्डी एक ग्रामीण खेल ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण वेंकट सतीश किलारू के बैनर वृद्धि सिनेमाज के तहत हो रहा है। इसे मैथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म में राम के साथ जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। राम और जान्हवी के अलावा फिल्म में शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज हो सकती है।

शहनाज गिल की लेटेस्ट ग्लैमरस तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर मचाया धमाल, गोल्डन ड्रेस में ढाया कहर

अभिनेत्री और सिंगर शहनाज गिल ने एक बार फिर अपने ग्लैमरस अवतार से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह गोल्डन सीक्विन मिनी ड्रेस में कहर ढाती नजर आ रही हैं. ये लुक न सिर्फ स्टाइलिश है बल्कि पूरी तरह से बोल्ड और ग्लैमरस वाइब दे रहा है. इस पोस्ट में शहनाज ने लिखा, सिफ़र् एक नजर नहीं... यह एक पूरा पल है ज्ज् और वाकई में उनका ये लुक एक यादगार मोमेंट बन गया है. पिंक बैकड्रॉप के सामने स्टाइलिश पोज़ देती शहनाज के इस फोटोशूट ने फैंस को दीवाना बना दिया है. उनकी ड्रेस डिजाइनर रियल्म बाय वैशाली द्वारा डिज़ाइन की गई है, जबकि मेकअप, हेयर और स्टाइलिंग पर पूरी टीम ने बेहतरीन काम किया है. इस पोस्ट को अब तक लाखों लोग लाइक कर चुके हैं और कमेंट्स में फैंस आग और दिल वाले इमोजी से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. गोल्डन ड्रेस में शहनाज का यह बोल्ड अंदाज़ उनके अब तक के लुक्स में से सबसे ग्लैमरस माना जा रहा है. खुलते बाल, न्यूड मेकअप और शिमरी टोन उनके लुक को और भी हाइलाइट कर रहे हैं. उनके इस लुक से नजरें हटाना मुश्किल हो रहा है.कुछ ही घंटों में इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और शेयर आ चुके हैं. परफेक्ट मेकअप स्टूडियो से लेकर सेलेब्रिटी दोस्तों तक, सभी ने शहनाज के इस लुक की तारीफ की है. शहनाज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह न सिर्फ टैलेंटेड आर्टिस्ट हैं, बल्कि एक फैशन ट्रेंडसेटर भी हैं. अब फैंस को उनकी अगली ऑन-स्क्रीन अपीयरेंस का बेसब्री से इंतजार है.

सैयारा बॉक्स ऑफिसः मालामाल हुई अहान पांडे की फिल्म, पहले वीकेंड 100 करोड़ के करीब पहुंची

सैयारा ने अपनी रिलीज के तीन दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म बीती 18 जुलाई को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई थी. सैयारा साल 2025 की आठवीं सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म है. सैयारा ने अपनी ओपनिंग कमाई से रेड 2, जाट और सितारे जमीन पर का रिकॉर्ड तोड़ा है. सैयारा 20 जुलाई को अपना पहला वीकेंड पूरा कर चुकी है और फिल्म आज 21 जुलाई को अपने पहले सोमवार में एंटर कर चुकी है. सैयारा ने अपने पहले रविवार कितने की कमाई की है और फिल्म अपने पहले वीकेंड में कितना कलेक्शन कर चुकी है आइए जानते हैं. सैकनिल्क की मानें तो फिल्म सैयारा ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 21 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली थी. अहान पांडे और अनीत पड्डा की लव-स्टोरी फिल्म ने दूसरे दिन यानि पहले शनिवार 25 करोड़ रुपये और तीसरे दिन यानि पहले रविवार 37 करोड़ रुपये (अनुमानित) का कलेक्शन किया है. सैयारा ने अपने पहले वीकेंड में 83 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. सैयारा के प्रति दर्शकों के क्रेज को देखते हुए अब 100 करोड़ रुपये के आंकड़ें को छूने में ज्यादा वक्त नहीं लेगी. बता दें, फिल्म सैयारा को मोहित सूरी ने डायरेक्ट किया है. इससे पहले वह आशिकी 2 और एक विलेन जैसी लव-स्टोरी फिल्में डायरेक्ट कर चुकें हैं. फिल्म सैयारा से अहान पांडे ने डेब्यू किया है, जो कि चंकी पांडे के भतीजे और अनन्या पांडे के कजिन हैं. फिल्म यशराज बैनर तले बनी है. फिल्म को लेकर कई सेलेब्स ने भी पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया है. मोहित ने एक बार फिर अपनी अनोखी प्रेम कहानी से युवाओं का दिल जीत लिया है और ज्यादातर लोगों का यही कहना है कि उन्होंने फिर सिनेमाघरों में आशिकी 2 वाला जादू चलाया है। एक ओर जहां इस फिल्म में अहान-अनीत की जोरदार केमिस्ट्री ने दर्शकों को उनका दीवाना बना दिया है, वहीं वर्ड ऑफ माउथ का भी इस फिल्म को जबरदस्त फायदा मिल रहा है। फिल्म में अहान ने कृष और अनीत ने वाणी का किरदार निभाया है।

एली अवराम-आशीष चंचलानी का म्यूजिक वीडियो चंदनिया आउट, फैंस बोले गलत किया भाई!

यूट्यूबर आशीष चंचलानी और अभिनेत्री एली अवराम का वीडियो सॉन्ग चंदनिया शनिवार को रिलीज हो गया है। वहीं, आशीष ने इंस्टाग्राम पर अकाउंट पर इसका वीडियो शेयर किया है।आशीष चंचलानी ने इंस्टाग्राम पर गाने का वीडियो शेयर किया, जिसमें कैप्शन दिया, हमारा म्यूजिक वीडियो आ गया है। 'चंदनिया नाम का ये गाना एक रोमांटिक सॉन्ग है, जिसमें एली और आशीष रोमांस करते नजर आ रहे हैं। गाने को मिथुन ने कंपोज किया है और विशाल मिश्रा ने इसे गाया है, वहीं, इसके बोल सईद कादरी ने लिखे हैं।पोस्ट शेयर करने के बाद आशीष के फैंस कमेंट सेक्शन में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, मुझे पता था तो दूसरे ने लिखा धोखा-धोखा-धोखा। किसी ने लिखा, गलत किया आशीष भाई आपने। बता दें, 12 जुलाई को आशीष और एली ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की थी, जिसे देखकर सोशल मीडिया यूजर्स ये कयास लगा रहे थे कि दोनों ने अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर जाहिर कर दिया है। आशीष चंचलानी ने इंस्टाग्राम पर एली के साथ एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें वह अभिनेत्री के काफी करीब दिखे थे। वहीं, एली अवराम ने हाथ में फूल लिए थीं। दोनों मुस्कुरा रहे थे। तस्वीर शेयर करते हुए आशीष चंचलानी ने कैप्शन में लिखा, फाइनली। वर्कफ्रंट की बात करें तो, एली फिल्म बी हैप्पी में नजर आई थीं। इससे पहले वह 2023 में कॉन्ज्यूरिंग कन्नप्पन में थीं। इस फिल्म में सतीश और रेजिना कैसंड्रा के साथ नासर, आनंदराज, सरन्या पोनवन्नन, वीटीवी गणेश और रेडिन किंग्सले भी थे। इसके बाद वह गुडबॉय और 2023 में गणपत में दिखी थीं। यूट्यूबर आशीष जल्द ही सुपरनैचुरल थ्रिलर एकाकी के साथ निर्देशन में कदम रखने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म हॉरर और कॉमेडी का अनोखा मिश्रण होगी। एसीवी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने वाली एकाकी में काश डोडेजा, हर्ष राणे, सिद्धांत सरफरे, शशांक शेखर, रोहित साधवानी और ग्रिशिम नवानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

लकड़बग्घा 2 में शामिल हुईं सारा जेन डियास, बोलीं- इसका लंबे समय से सपना देख रही थी

अभिनेत्री सारा जेन डियास अब फिल्म लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस की कास्टिंग टीम में शामिल हो गई हैं। इस बात की जानकारी अभिनेता और फिल्म निर्माता अंशुमन झा ने दी है। फिल्म से जुड़ने को लेकर अपनी खुशी जताते हुए सारा जेन डियास ने कहा, मुझे लकड़बग्घा 1 बहुत पसंद आई थी। जब मैंने सुना कि यह फिल्म एक ऐसे यूनिवर्स का हिस्सा है जिसमें जानवरों से प्यार करने वाला एक हीरो है, और अब यह कहानी आगे बढ़ रही है, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। ऐसी फिल्में बहुत कम मिलती हैं जो एक्शन के साथ कोई अच्छा मकसद भी दिखाएं, जिसमें बेजुबान जानवरों की रक्षा करना शामिल हो। उन्होंने कहा कि लकड़बग्घा 2 आज के समय से जुड़ी हुई और भावनाओं से भरी फिल्म है। सारा ने कहा, इस फिल्म ने मुझे वो मौका दिया, जिसका मैं लंबे समय से सपना देख रही थी। मैं स्क्रीन पर एक्शन करना चाहती थी। मैं बहुत खुश हूं कि अंशुमन ने मुझे फिल्म का हिस्सा बनाया। बाकी टीम के साथ इस सफर में शामिल होकर अच्छा महसूस हो रहा है। अंशुमन ने अपने सोशल मीडिया पर सारा के शामिल होने की जानकारी देते हुए लिखा कि सारा के आने से लकड़बग्घा की टीम और भी ताकतवर और दमदार हो गई है। वह पर्दे पर एक शांत लेकिन जबरदस्त असर लेकर आती हैं। उन्होंने कहा, सारा की ताकत, सादगी और गहराई उन्हें लकड़बग्घा की दुनिया के लिए एकदम सही बनाती है। इस बार सिर्फ हमारी टीम वापस नहीं आई है, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत, दमदार और गहराई से भरी हुई है। रिद्धि के बाद अब सारा के आने से हमारी कहानी में भावनाएं भी बढ़ी हैं और इसकी पहुंच भी। लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस की शूटिंग जारी है। इसे इसी साल सर्दियों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के पहले पार्ट में रिद्धि डोगरा और अंशुमन झा नजर आए थे। दोनों एक बार फिर इसके दूसरे पार्ट में दिखाई देंगे। इसके साथ ही फिल्म में सनी पांग भी अहम किरदार में हैं। लकड़बग्घा 13 जनवरी 2023 को रिलीज हुई थी और जुलाई 2023 में इसका प्रीमियर जर्मनी के स्टटगार्ट में हुए 20वें इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था।

बीवी से मिला धोखा तो बदले की आग में झुलसा पति, विनीत कुमार सिंह स्टारर रंगीन का ट्रेलर रिलीज

छावा फेम एक्टर विनीत कुमार सिंह की सीरीज रंगीन का ट्रेलर आ चुका है। इस सीरीज को प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। इसमें विनीत के अलावा राजश्री देशपांडे, तारुक रैना भी नजर आ रहे हैं। सीरीज में विनीत ने एक पत्रकार की भूमिका निभाई है जिसकी पर्सनल लाइफ में काफी भूचाल आ जाता है क्योंकि वो अपनी बीवी को ज्यादा वक्त नहीं दे पाता। चलिए आपको बताते हैं कैसा है इस सीरीज का ट्रेलर। इस सीरीज के ट्रेलर में दिखाया गया है कि आर्दश नाम का व्यक्ति जो पेशे से पत्रकार है और एक अखबार चलाता है वो अपने काम में बिजी होने के चलते अपनी पत्नी को ज्यादा समय नहीं दे पाता। ऐसे में उसकी पत्नी जो किरदार राजश्री देशपांडे ने निभाया है, वो बाहर संबंध बना लेती है। सीरीज में तारुक रैना का किरदार शादीशुदा रिश्ते में तीसरा शख्स बनकर एंट्री लेता है। इसके बाद दोनों के बीच शुरू होती है लड़ाई, खुद को बेहतर साबित करने की। आदर्श बीवी के धोखा का बदला लेने के लिए दूसरी महिलाओं के साथ संबंध बनाने की कोशिश में लग जाता है। इस सीरीज की रिलीज डेट 25 जुलाई तय की गई है। इसे प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। कबीर खान और राजन कपूर ने इसे प्रोड्यूस किया है। इसके अलावा डायरेक्शन की कमान संभाली है कोपाल नैथानी और प्रांजल दूआ ने। सीरीज एक कॉमेडी-ड्रामा कहानी लेकर आ रही है जिसमें कलाकारों ने दर्शकों को अपने-अपने किरदार को ईमानदारी से दिखाने की कोशिश की है।

PM Modi's reaction on Jagdeep Dhankhar's resignation: I wish him good health

New Delhi, Prime Minister Narendra Modi has given his first reaction after the resignation of Vice President Jagdeep Dhankhar. PM Modi tweeted and wrote that Jagdeep Dhankhar has had the opportunity to serve the country in many roles including the Vice President of India. I wish him good health. Vice President of India Jagdeep Dhankhar has resigned from his post with immediate effect citing health reasons. He submitted his resignation by sending a formal letter to the President under Article 67 (A) of the Constitution. In the letter, he has said that he has taken this decision to follow medical advice and give priority to health care. Veteran lawyer and political figure Jagdeep Dhankhar served as the 14th Vice President of India from 2022 until his resignation on July 21, 2025. He resigned from the post of Vice

President on health grounds on Monday. His tenure was short. He was known for his firm grasp on parliamentary procedures and sharp legal acumen. He remained actively involved with national issues throughout his public life. Jagdeep Dhankhar's journey from a rural area of Rajasthan to one of the highest constitutional posts in India is a story of perseverance, versatility and public service. He has been in public life for over four decades. Born on May 18, 1951 in Kithana, a small village in Jhunjhunu district of Rajasthan, Jagdeep Dhankhar hails from a simple farmer family. He is often called a 'Kisan Putra' (son of farmers) and this background was later highlighted by the BJP in its political message during his nomination for the post of Vice President. He completed his schooling from Sainik School, Chittaurgarh, which is known for producing many notable military and public service personalities. He later earned a Bachelor of Science degree from the University of Rajasthan, Jaipur and completed his LLB from the same university. Dhankhar began his legal practice after registering with the Rajasthan Bar Council in 1979. His reputation as an accomplished legal expert grew rapidly. He was appointed senior advocate by the Rajasthan High Court in 1990 and became one of the most respected legal professionals in the state. He practised in several High Courts and the Supreme Court of India, where he argued a wide variety of cases. Dhankar was appointed President of the Rajasthan High Court Bar Association. This role further cemented his reputation in the legal community. He entered politics in 1989 by winning the Lok Sabha election from Jhunjhunu on a Janata Dal ticket. His outspoken advocacy in Parliament soon earned him a ministerial position. In 1990, during the tenure of Prime Minister Chandrashekhar, he was appointed Minister of State for Parliamentary Affairs. He handled the crucial coordination between the government and the legislature. He later served as a member of the Rajasthan Legislative Assembly from 1993 to 1998, representing Kishangarh constituency. Dhankhar remained politically active and was associated with several parties, including the Janata Dal, the Indian National Congress (INC) and finally the Bharatiya Janata Party (BJP). Dhankhar was appointed as the Governor of West Bengal in July 2019. During his tenure, he was at the centre of political turmoil in the state. During his tenure, he had frequent clashes with the Mamata Banerjee-led Trinamool Congress (TMC) government over issues of federalism, appointments in universities and law and order.

My movie tickets are sold for 10 rupees while others' are sold for 100 rupees: Pawan Kalyan

Hyderabad, Andhra Pradesh Deputy Chief Minister and actor Pawan Kalyan took a dig at the former YSRCP government, saying that the ticket price of his film was fixed at Rs 10, while the tickets of other actors' films were sold for Rs 100. Pawan Kalyan was speaking at the pre-release event of his upcoming film 'Hari Hara Veera Mallu' in Hyderabad on Monday night. He said that his fight was not for money or records, but for justice. The film will release on July 24 and will be his first film after he became deputy chief minister. He said that his only mistake was to give a flop film, after which he did not get the same success in films as before. He praised director Trivikram, who gave a hit film like 'Jalsa'. Pawan said that even during his film 'Bheemla Nayak' his tickets were sold for 10-15 rupees while others' were sold for 100 rupees. He

said, this was not a fight for money, but for courage and justice. Pawan said that he does not try to make records, but wants to live like a normal person. He called his fans his strength and said, in my 30 years long film career, I am at this position today only because of my fans. I have neither weapons nor goons, I only have my fans. Recalling the time of 'Gabbar Singh', he said that director Harish Shankar fulfilled a fan's request for a hit film. Despite 'Johnny' being a flop, his fans did not leave him. Pawan said that he returned his fees giving importance to relationships.

Pawan relearned martial arts for 'Hari Hara Veera Mallu'. He joked that he faced real goons in politics, but it was difficult to do it in front of the camera. He supported producer A.M. Ratnam, who completed the film after five years of challenges.

Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar's birthday is today, PM Modi, Union Home Minister and many other leaders wished him

Mumbai, Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar received warm wishes from the country's top leaders and colleagues on his birthday. Prime Minister Narendra Modi, Union Home Minister Amit Shah, Defense Minister Rajnath Singh, Union Road Transport Minister Nitin Gadkari, Deputy Chief Minister Eknath Shinde and NCP (Sharadchandra Pawar) leader Supriya Sule praised his contribution and wished him a long life. Prime Minister Narendra Modi said, Happy birthday to Ajit Pawar ji. He is making a significant contribution in strengthening the good governance of NDA in Maharashtra. May God keep him healthy and long-lived. In his message, Union

Home Minister Amit Shah said, Happy Birthday to Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar. You are playing a commendable role in bringing the works of the Mahayuti government to the ground. I wish you good health and long life. Union Minister Nitin Gadkari extended warm birthday wishes to Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar and said, may you live long. Deputy Chief Minister Eknath Shinde also wished Ajit Pawar on his birthday and said, Happy Birthday to Ajit Dada Pawar, a strong ally of Mahayuti. His deep understanding of economics and dedication towards the development of Maharashtra is exemplary. I pray for his healthy and long life. Supriya Sule said in her message, "Wishing Ajit Dada a very happy birthday. May the coming year bring you happiness." Ajit Pawar is a prominent politician and current Deputy Chief Minister of Maharashtra. He was born on 22 July 1959 in Deolali Pravara, Ahmednagar. He is a leader of the Nationalist Congress Party (NCP) and was associated with his uncle Sharad Pawar for a long time. But, in 2023, he parted ways with the NCP and joined the Mahayuti alliance. He has been representing the Baramati Assembly constituency since 1991. Ajit Pawar has also served as the Minister of Finance, Water

Second day of monsoon session, opposition uproar in Lok Sabha on Bihar SIR issue

New Delhi, The second day of the monsoon session has started with a huge uproar in the lower house. The government was to answer on the issues of farmers and agriculture in the question hour. However, the opposition members insisted on discussing the subject of Special Intensive Revision (SIR) of the voter list in Bihar. As a result, the proceedings of the Lok Sabha were constantly disrupted. Question Hour could not run on Tuesday due to the uproar of the opposition in Parliament. Speaker Om Birla tried to convince the opposition members. When the uproar continued, the Lok Sabha Speaker adjourned the proceedings till 12 noon. However, as soon as the proceedings started at 12 o'clock, there was an uproar. Due to this, the House had to be adjourned till 2 pm. When the proceedings of the House were adjourned, members of opposition parties protested outside the Parliament. Carrying banners

and posters, members of opposition parties gathered at Makar Dwar of the Parliament premises and protested vigorously. During this, slogans were raised on the SIR issue. Congress MP Imran Masood while talking to news agency IANS said, Aadhar card was made by the government after verifying all the things. In Bihar, SIR is not ready to accept the same Aadhar card. Will the Election Commission decide whether we are citizens of the country or not? MP Renuka Chaudhary raised the question and said, there was no issue in the 2024 Lok Sabha elections. Bihar assembly elections are near and West Bengal-Assam elections are to be held, so now there is a problem (Aadhaar card is not proof of citizenship). The matter of verification of about 3 crore voters has come up. Tell us how verification can be done in a few days. This means that you already have the list ready. He said that people have been harassed at the grassroots level. The poor, Dalit and oppressed sections are the most troubled. Many rules are being imposed on the documents required for voters. This is part of a conspiracy. Amidst the protests, Samajwadi Party MP Rajiv Rai made a big statement on the Election Commission. He called the Election Commission the 'biggest threat' to the country. mTMC MP Sagarika Ghosh alleged that people's votes are being snatched through SIR. The SIR process is a way of implementing NRC through the back door. She said that we strongly oppose this.

Delhi Police arrested 4 fraudsters who cheated people of Rs 17.5 lakh by luring them with work-from-home jobs

New Delhi, The South West District Cyber Police Station team of Delhi Police has busted a work-from-home job scam and arrested four fraudsters. These fraudsters cheated people by luring them with false online jobs through Telegram and other social media platforms and misled the banks and police by converting the cheated money into cryptocurrency. 4 mobile phones and 4 SIM cards have been recovered from the arrested accused. In this scam, a complainant was duped of Rs 17.49 lakh. On May 27, 2025, a resident of Vasant Kunj filed a complaint on the NCRP portal. The complainant said

that on May 23, 2025, he was contacted through a Telegram ID and was lured to review a website for Rs 50 per review. After some small tasks, the fraudsters asked him to do pre-paid tasks like buying and selling bitcoins and asked him to send screenshots. Initially, the complainant invested a small amount, but later the fraudsters pressured him to deposit more money through various means, saying that this would help in withdrawing his alleged earnings. In this way, a total of Rs 17.49 lakh was defrauded from the complainant. Following the complaint, FIR No. 40/25 was registered at the cyber police station and investigation began. Considering the seriousness of the case, a special team was formed under the leadership of Inspector Pravesh Kaushik, which included Sub-Inspector Opendra, W/SI Priyanka, HC Ashok, Jaiprakash, Babulal and CT Jeetram. It was supervised by ACP Operations Vijay Kumar. The team investigated on the basis of money trail and technical clues. The investigation revealed that Rs 5 lakh from the defrauded amount was transferred from the complainant's account to an account in Kotak Mahindra Bank, which was in the name of Ankur Mishra. CCTV footage showed Ankur Mishra withdrawing money through cheque along with two other accused. Investigation of another account revealed that it was operated from Agra, but the account holder was from Madhya Pradesh. After technical analysis, it was found that this gang was operating from Lucknow, Shivpuri and Agra. After this, raids were conducted in Lucknow, Bhopal, Shivpuri and Agra and four accused were arrested. The arrested accused include Ankur Mishra (22) from Siyapura, UP, Kratarth (21) from Rajgarh, MP, Vishwas Sharma (32) from Bhopal, MP, Ketan Mishra (18) from Shivpuri, MP. A case has been registered against the cyber fraudsters under sections 318(4)/61(2)/3(5) of the BNS and further investigation is underway.

2006 Mumbai train blast: Maharashtra government reaches Supreme Court against the release of 12 convicts, hearing will be held on this day

Mumbai, The Maharashtra government has challenged the Bombay High Court's decision in the 2006 Mumbai local train serial bomb blasts case in the Supreme Court. The High Court had acquitted all 12 accused in this case, after which the state government has approached the apex court against this decision. The Supreme Court will hear this important petition on July 24. This case is related to the dark day of 11 July 2006, when a series of bomb blasts took place during peak hours in the local trains, which are called the lifeline of Mumbai. More than 180

innocent people lost their lives in these terrorist attacks and hundreds were seriously injured. These blasts shook the entire country. After a long investigation and trial of the case, 12 people were made accused. However, recently the Bombay High Court ruled to acquit all 12 accused, citing lack of evidence. In its petition, the Maharashtra government has termed the High Court's decision as unfair in the interest of justice. The state government argues that the prosecution had presented strong evidence in this case, but the High Court did not consider them properly. The government believes that the High Court's decision has failed to do justice to the victims and their families.

Now all eyes are on the hearing in the Supreme Court on July 24, where it will be decided what course the legal process will take in this case. The families of the victims and the entire country are waiting for final justice in this case.

ICICI Bank's former CEO Chanda Kochhar convicted, had taken a bribe of 64 crores in exchange for a loan of 300 crores

New Delhi, Former CEO and Managing Director of ICICI Bank Chanda Kochhar has been found guilty of taking bribe in exchange for giving loan to Videocon Group. An appellate tribunal has clarified in its decision that Chanda Kochhar had received a bribe of Rs 64 crore in exchange for passing a loan of Rs 300 crore to Videocon Group. Hearing the case of the Enforcement Directorate, the tribunal said in its order on July 3 that this is a clear case of 'something for something'. According to the decision, the very next day after the loan amount was approved,

a company associated with Videocon transferred this money to a company controlled by Chanda Kochhar's husband Deepak Kochhar. The tribunal upheld the ED's claims that Chanda Kochhar had passed the loan in violation of the bank's internal rules and conflict of interest policy. She had not disclosed her husband Deepak Kochhar's business relationship with Videocon. According to the investigation, as soon as ICICI Bank issued a loan of Rs 300 crore to Videocon, the very next day Rs 64 crore was transferred from Videocon's company SWAKKR to Deepak Kochhar's company NRPL. In the documents, NRPL was shown to be controlled by Videocon chairman Venugopal Dhoot, but its actual control and management was in the hands of Deepak Kochhar. The tribunal considered this direct transaction as irrefutable evidence of bribery. In this important decision, the appellate tribunal also set aside the 2020 decision in which a lower authority had ordered the release of assets worth Rs 78 crore of Chanda Kochhar, her husband and other associates. The tribunal said that the lower authority had ignored crucial evidence produced by the ED and arrived at a wrong conclusion. The tribunal stressed that the entire chain of events - sanctioning of the loan, transfer of money the very next day and flow of funds into Deepak Kochhar's company - clearly shows abuse of position and ethical violation by Chanda Kochhar.

Jagdeep Dhankhar's resignation is part of a planned political development: Pappu Yadav

New Delhi, Vice President Jagdeep Dhankhar resigned from his post on Monday. The news of his resignation has started a discussion across the country. MP Pappu Yadav has raised questions on his resignation. Independent MP from Purnia Pappu Yadav said that the BJP leadership is not concerned with the Constitution, democracy or freedom. When Jagdeep Dhankhar walked on the path of fairness and truth, they did not like him. He said that Dhankhar's resignation is not due to health reasons but is part of a well-planned political development. He did not resign when his health was bad, but resigning on the very first day of the session is an indication that something big is going on. He alleged that Dhankhar comes from the Jat community and

his self-respecting nature was not acceptable to the BJP leadership. Today his self-respect has awakened and he said - take your post, now we will walk on the path of truth. Pappu Yadav claimed that this resignation is actually the result of the internal tussle going on between BJP and RSS. This is an ego clash between two big personalities, in which Dhankhar ji became a scapegoat. Congress MP in Rajya Sabha Akhilesh Prasad Singh said that this is shocking for me and an unfortunate situation for Indian politics. The leaders of the ruling party, especially the Prime Minister, should have tried to persuade them. Senior Samajwadi Party MP Ram Gopal Yadav refrained from commenting much on the resignation and said that he is resigning due to health reasons, I do not know the reasons behind it. Let us tell you that India's 14th Vice President Jagdeep Dhankhar resigned from his post on Monday citing health reasons. His resignation has come at a time when there are still two years left in his term. Dhankhar, who will take office in August 2022, sent his resignation to President Draupadi Murmu on Monday, in which he has mentioned Article 67 (A).